CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2023 with Solution PDF-Set 2/1/3

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 13 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 3 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. वैश्विक महामारी, संघर्ष और प्राकृतिक आपदा के बीच पूरा विश्व अवसाद से गुजर रहा है। औद्योगिक क्रांति की लहर के कारण पृथ्वी की पारिस्थितिकी और इंसानों के पर्यावरण के साथ संबंधों में एक नया और उल्लेखनीय मोड़ आया। करीब पाँच हज़ार वर्ष पहले हुए कृषि क्रांति ने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। पहली औद्योगिक क्रांति 250 साल पहले हुई थी जो मुख्यत: कोयले और भाप के साथ हुई थी; दूसरी औद्योगिक क्रांति बिजली और तेल के साथ तथा तीसरी कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों के साथ और अब चौथी औद्योगिक क्रांति में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी का सम्मिश्रण है। बीसवीं शताब्दी के दौरान परमाणु बमों के विस्फोट के साथ मानवता ने नए युग में प्रवेश किया। हमने स्वयं के विनाश करने की शक्ति पा ली यह सुनिश्चित किए बिना कि हम ऐसा होने से रोक सकते थे।

एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना भी मुश्किल है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। विस्तृत औद्योगीकरण, कारखानों के प्रसार, सड़कों के निर्माण के लिए जंगलों के कटाव, विशाल बाँधों और विस्तृत उत्पादन आदि के लिए नदियों को रोकने, यातायात के साधनों की गतिविधियों और लोगों के पलायन ने पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी पैदा की है। जिसके फलस्वरूप पर्यावरण परिवर्तन और भूमंडलीय ताप में वृद्धि को नकारा नहीं जा सकता है।

आज प्रकृति और विश्व-शांति दोनों ही ख़तरे में हैं। विकास ने भू-राजनीति के साथ मिलकर मानवता को ख़तरे में डाल दिया है। और हमें यह नहीं पता कि वर्तमान की संकटमय परिस्थिति के आत्मघाती तरीकों से कैसे उबरा जाए ?

आज मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा हो रहा है और इसमें इतनी क्षमता है कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है। पारिस्थितिकी संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन की भयावह चुनौतियाँ दहला देने वाली हैं। अब इस बात की आवश्यकता है कि हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाया जाए। इस मुद्दे का केन्द्र बिन्दु यह है कि हम अपनी सभ्यता की प्रक्रिया के संरक्षण के लिए किस प्रकार नए और संवेदनशील निर्माण की ओर बढ़ सकते हैं। [10 अंक]

1(i). मानव अस्तित्व को सबसे अधिक ख़तरा किससे है ? [1 अंक]

(A) जलवायु परिवर्तन से

(B) औद्योगीकरण से

(C) बढ़ती महामारी से

(D) प्रदूषण से

सही उत्तर: (A) जलवायु परिवर्तन से

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना गद्यांश के अंतिम अनुच्छेद में मानव अस्तित्व को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से ख़तरा बताया गया है। इससे अरबों लोगों के जीवन और निवास स्थान को नुकसान पहुँच सकता है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच औद्योगीकरण पर्यावरण संकट का कारण है, लेकिन यहाँ अस्तित्व के सीधे ख़तरे का नाम पूछा गया है। महामारी आरंभिक परिस्थिति का हिस्सा है। प्रदूषण भी संकट बढ़ाता है, पर निर्णायक वाक्य में जलवायु परिवर्तन का उल्लेख है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है : जलवायु परिवर्तन से।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(ii). पारिस्थितिकी संरक्षण के लिए सबसे ठोस उपाय हो सकता है : [1 अंक]

(A) कड़े कानून लागू करना

(B) औद्योगीकरण पर पाबंदी

(C) सोच और व्यवहार में बदलाव

(D) जागरूकता

सही उत्तर: (C) सोच और व्यवहार में बदलाव

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना लेखक अंत में स्पष्ट करता है कि अब हमारी सोच और व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। सभ्यता का संरक्षण संवेदनशील निर्माण और प्रकृति के प्रति बदले हुए आचरण से जुड़ा है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच कड़े कानून और जागरूकता सहायक हो सकते हैं, पर गद्यांश इन्हें सबसे ठोस उपाय नहीं कहता। औद्योगीकरण पर पूरी पाबंदी की बात भी नहीं कही गई है। सोच के साथ व्यवहार बदलने वाला विकल्प लेखक की स्पष्ट अपेक्षा को समेटता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है : सोच और व्यवहार में बदलाव।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(iii). 'पृथ्वी की पारिस्थितिकी' से आप क्या समझते हैं ? [1 अंक]

(A) पृथ्वी की बनावट

(B) धरती पर जीवन

(C) प्रकृति और पर्यावरण

(D) पर्यावरण में संतुलन

सही उत्तर: (C) प्रकृति और पर्यावरण

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना यहाँ पृथ्वी की पारिस्थितिकी का प्रयोग प्रकृति, पर्यावरण और उनसे जुड़े संबंधों के व्यापक संदर्भ में हुआ है। अगले अनुच्छेद में जंगल, नदियाँ, उत्पादन और पर्यावरण परिवर्तन इसी विषय को विस्तार देते हैं।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच पृथ्वी की बनावट भौगोलिक संरचना बताती है। धरती पर जीवन इस व्यापक विषय का एक पक्ष है। पर्यावरण में संतुलन पारिस्थितिकी की वांछित दशा है, जबकि प्रश्न पूरे पद का संदर्भगत आशय पूछता है। इसलिए प्रकृति और पर्यावरण सबसे उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है : प्रकृति और पर्यावरण।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(iv). कृषि-क्रांति से जीवन पर किस प्रकार का प्रभाव पड़ा ? [1 अंक]

(A) जीवन में संपन्नता आ गई

(B) अन्न का पैदावार होने लगा

(C) उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव

(D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

सही उत्तर: (D) भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना पहले अनुच्छेद में कृषि क्रांति के विषय में कहा गया है कि उसने समाज को भोजन और स्थायित्व प्रदान किया था। इस कथन में भोजन की उपलब्धता और स्थिर जीवन, दोनों प्रभाव एक साथ आते हैं।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच जीवन में संपन्नता आना अधिक व्यापक निष्कर्ष है, जो यहाँ सीधे नहीं दिया गया। अन्न की पैदावार केवल एक पक्ष बताती है। उत्तम कृषि की तलाश में भटकाव स्थायित्व के विपरीत है। अंतिम विकल्प दोनों बताए गए प्रभावों को ठीक से व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है : भोजन और स्थिरता प्राप्त हुई।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(ix). आपकी दृष्टि में लोगों के पलायन का प्रमुख कारण क्या हो सकता है ? [1 अंक]

(A) स्थायित्व की खोज

(B) भय से मुक्त जीवन

(C) बेहतर जीवन की तलाश

(D) आवागमन की सुविधा

सही उत्तर: (C) बेहतर जीवन की तलाश

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना प्रश्न पाठक की दृष्टि से पलायन का प्रमुख कारण पूछता है। गद्यांश में औद्योगीकरण, निर्माण और लोगों की गतिविधियों के साथ पलायन आया है। इस संदर्भ में अधिक सुविधापूर्ण और बेहतर जीवन की तलाश सबसे व्यापक उपयुक्त आशय है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच स्थायित्व की खोज और भय से मुक्त जीवन बेहतर जीवन के अलग पहलू हो सकते हैं, पर वे कारण को सीमित करते हैं। आवागमन की सुविधा पलायन को सुगम बनाती है; वह उसका मुख्य उद्देश्य नहीं है। बेहतर जीवन की तलाश इनसे अधिक समग्र उत्तर है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है : बेहतर जीवन की तलाश।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(v). कम्प्यूटर का विकास किस औद्योगिक क्रांति में हुआ ? [1 अंक]

(A) पहली

(B) दूसरी

(C) तीसरी

(D) चौथी

सही उत्तर: (C) तीसरी

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना गद्यांश में औद्योगिक क्रांतियों का क्रम दिया गया है। पहली को कोयले और भाप से, दूसरी को बिजली और तेल से तथा तीसरी को कम्प्यूटर और सहायक सामग्रियों से जोड़ा गया है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच पहली और दूसरी क्रांतियों के आधार अलग स्पष्ट किए गए हैं, इसलिए वे उत्तर नहीं हो सकतीं। चौथी में भौतिक, डिजिटल और तकनीकी दुनिया में प्रौद्योगिकी के सम्मिश्रण की बात है। कम्प्यूटर से सीधे जुड़ा तीसरी क्रांति वाला कथन ही निर्णायक है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है : तीसरी औद्योगिक क्रांति।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(vi). बीसवीं शताब्दी में हमने अपने विनाश की शक्ति खोजी है, कैसे ? [1 अंक]

(A) परमाणु बम बनाकर

(B) प्रौद्योगिकी विकास कर

(C) तकनीकी विकास कर

(D) डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर

सही उत्तर: (A) परमाणु बम बनाकर

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना पहले अनुच्छेद में बीसवीं शताब्दी के परमाणु बमों के विस्फोट का उल्लेख है। इसके तुरंत बाद लेखक कहता है कि हमने अपने विनाश की शक्ति प्राप्त कर ली, उसे रोकने की सुनिश्चित क्षमता पाए बिना।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच प्रौद्योगिकी और तकनीकी विकास व्यापक प्रक्रियाएँ हैं; वे इस वाक्य का विशिष्ट उत्तर नहीं हैं। डिजिटल दुनिया का संबंध चौथी औद्योगिक क्रांति से है। विनाशकारी शक्ति का प्रत्यक्ष संदर्भ परमाणु बम हैं, इसलिए पहला विकल्प सही है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है : परमाणु बम बनाकर।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(vii). प्रतिस्पर्धाविहीन दुनिया की कल्पना करना कठिन क्यों है ? [1 अंक]

(A) प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा

(B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

(C) त्याग की भावना का अभाव

(D) संतोष की भावना का अभाव

सही उत्तर: (B) प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना दूसरे अनुच्छेद में लेखक ऐसी दुनिया की कल्पना कठिन बताता है जहाँ देश शक्ति और प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा न करें। अतः प्रतिस्पर्धा के पीछे देशों की दूसरों पर प्रभाव और वर्चस्व स्थापित करने की इच्छा है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच प्रतियोगिता में बने रहने की इच्छा उसी स्थिति को दोहराती है, उसका स्पष्ट पाठगत कारण नहीं बताती। त्याग और संतोष की भावना का अभाव संभावित नैतिक व्याख्याएँ हैं, पर गद्यांश का निर्णायक कथन शक्ति और प्रभुत्व से संबंधित है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है : प्रभुत्व स्थापित करने की इच्छा।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(viii). गद्यांश के आधार पर पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव के लिए किसे उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता ? [1 अंक]

(A) जंगलों का कटाव

(B) लोगों का पलायन

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) विस्तृत औद्योगीकरण

सही उत्तर: (C) प्राकृतिक आपदा

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना प्रश्न में नकार पर ध्यान देना आवश्यक है। पारिस्थितिकी में गंभीर गड़बड़ी के कारण गिनाते समय लेखक विस्तृत औद्योगीकरण, जंगलों का कटाव और लोगों के पलायन सहित अनेक मानवीय गतिविधियों का उल्लेख करता है।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच जंगलों का कटाव, लोगों का पलायन और विस्तृत औद्योगीकरण तीनों उस सूची में मौजूद हैं, इसलिए उन्हें बाहर नहीं किया जा सकता। प्राकृतिक आपदा आरंभ में विश्व की संकटपूर्ण दशा के संदर्भ में आई है; उसे इस सूची में पारिस्थितिकी बदलाव का कारण नहीं बताया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है : प्राकृतिक आपदा।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

1(x). पर्यावरण परिवर्तन में आप किसकी प्रमुख भूमिका मानते हैं ? [1 अंक]

(A) जनसंख्या वृद्धि

(B) औद्योगीकरण

(C) प्राकृतिक आपदा

(D) मानवीय गतिविधियाँ

सही उत्तर: (D) मानवीय गतिविधियाँ

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश के उत्तर का आधार लेखक का कथन और उसका प्रसंग होता है। विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य शब्दों तथा पूरे अनुच्छेद के आशय का मिलान करना चाहिए।
- किसी कारण, उपाय या शब्द के अर्थ का चुनाव करते समय व्यापक विषय और प्रश्न में माँगी गई विशिष्ट जानकारी का अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: निर्णायक कथन पहचानना गद्यांश में पर्यावरण परिवर्तन के पीछे कारखानों का प्रसार, जंगलों का कटाव, बाँध, नदियों को रोकना, यातायात और लोगों का पलायन जैसे कारण गिनाए गए हैं। ये सभी मनुष्य की गतिविधियों के रूप हैं।

चरण 2: शेष विकल्पों की जाँच औद्योगीकरण महत्वपूर्ण है, लेकिन वह इस व्यापक कारण का केवल एक हिस्सा है। जनसंख्या वृद्धि को यहाँ अलग प्रमुख कारण के रूप में नहीं दिया गया। प्राकृतिक आपदा भी इस विवेचन का मुख्य कारण नहीं है। सभी गिनाए गए कार्यों को समेटने वाला विकल्प मानवीय गतिविधियाँ है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है : मानवीय गतिविधियाँ।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के मुख्य शब्द को रेखांकित करें, फिर गद्यांश के संबंधित वाक्य से चारों विकल्पों का मिलान करें।

2(i). यूरोप के पुनर्जागरण में आप किसकी भूमिका को प्रमुख मानते हैं ? [1 अंक]

(A) छापाखाना

(B) समाचार-पत्र

(C) औद्योगिक क्रांति

(D) नेता

सही उत्तर: (A) छापाखाना

हल:

अवधारणा:

- मुद्रित सामग्री का प्रसार नए विचारों को व्यापक समाज तक पहुँचाता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य संकेत का प्रत्येक विकल्प से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: पुनर्जागरण में छापाखाने का योगदान छापाखाने ने पुस्तकों की अनेक प्रतियाँ तैयार करना संभव बनाया। इससे ज्ञान, वैज्ञानिक खोजों और नए विचारों का प्रसार तेज हुआ तथा अधिक लोगों को पढ़ने और स्वतंत्र चिंतन करने का अवसर मिला। यूरोप में बौद्धिक जागरण और रूढ़ धारणाओं पर प्रश्न उठाने की प्रक्रिया को इससे बल मिला।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच समाचार-पत्र मुद्रित माध्यम हैं, पर यहाँ मुद्रण की मूल तकनीक का योगदान पूछा गया है। औद्योगिक क्रांति पुनर्जागरण का प्रमुख मुद्रण साधन नहीं है। नेता राजनीतिक या सामाजिक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन ज्ञान के व्यापक मुद्रित प्रसार का आधार छापाखाना है।

चरण 3: निष्कर्ष यूरोप के पुनर्जागरण में छापाखाने की भूमिका प्रमुख है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पुनर्जागरण और ज्ञान के व्यापक प्रसार का संबंध पूछा जाए तो पुस्तकें सुलभ बनाने वाली मुद्रण तकनीक पहचानिए।

2(ii). अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर हमें प्राप्त होता है : [1 अंक]

(A) प्रेस से

(B) दूरदर्शन से

(C) इंटरनेट से

(D) पुस्तकालय से

सही उत्तर: (C) इंटरनेट से

हल:

अवधारणा:

- डिजिटल अभिलेखों में शब्द, विषय और तिथि के आधार पर पुरानी सामग्री खोजी जा सकती है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य संकेत का प्रत्येक विकल्प से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: सहज खोज की सुविधा पहचानना इंटरनेट पर समाचार-पत्रों के डिजिटल अभिलेख उपलब्ध होते हैं। इनमें पाठक किसी पुराने अंक या समाचार को तिथि, शीर्षक अथवा विषय के सहारे खोज सकता है। इसलिए पुरानी फाइलों तक सहज पहुँच का प्रश्न इंटरनेट की खोज-सुविधा की ओर संकेत करता है।

चरण 2: बाकी माध्यमों का अंतर प्रेस मुख्यतः समाचार-पत्र के मुद्रण का स्थान या व्यवस्था है। दूरदर्शन दृश्य-श्रव्य प्रसारण करता है; वह अख़बारों की पुरानी फाइलें खोजने का सामान्य साधन नहीं है। पुस्तकालय में पुरानी फाइलें मिल सकती हैं, किंतु उन्हें स्थान पर जाकर ढूँढ़ने की तुलना में इंटरनेट त्वरित डिजिटल खोज का अवसर देता है।

चरण 3: निष्कर्ष अख़बारों की पुरानी फाइलों को सहजतापूर्वक खोजने का अवसर इंटरनेट से प्राप्त होता है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पुरानी फाइलों के साथ सहज खोज का संकेत मिले तो ऑनलाइन अभिलेख और उनकी खोज-सुविधा याद कीजिए।

2(iii). पत्रकारीय लेखन का संबंध आप किससे मानते हैं ? [1 अंक]

(A) वास्तविक घटनाओं से

(B) साहित्यिक लेखन से

(C) सृजनात्मक लेखन से

(D) प्रभावकारी विचारों से

सही उत्तर: (A) वास्तविक घटनाओं से

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारीय लेखन का मूल आधार तथ्य, सत्यापन और वास्तविक घटनाएँ हैं।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य संकेत का प्रत्येक विकल्प से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: पत्रकारिता का तथ्यात्मक आधार पत्रकारिता में घटित घटनाओं, समसामयिक स्थितियों और जनहित के विषयों का तथ्यपरक विवरण दिया जाता है। लेखक सूचना की प्रामाणिकता जाँचता है और वास्तविक घटना के आधार पर सामग्री प्रस्तुत करता है। इसलिए इस लेखन का सीधा संबंध वास्तविक घटनाओं से है।

चरण 2: दूसरे विकल्पों का परीक्षण साहित्यिक लेखन में कल्पना और कलात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिक होती है। सृजनात्मक लेखन एक व्यापक श्रेणी है, जो पत्रकारिता का विशिष्ट तथ्यात्मक आधार नहीं बताती। प्रभावकारी विचार टिप्पणी या संपादकीय में आ सकते हैं, पर केवल विचारों का प्रभाव पत्रकारिता की पहचान नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष पत्रकारीय लेखन का संबंध वास्तविक घटनाओं से है। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: पत्रकारिता की पहचान करते समय तथ्य और सत्यापित घटना को कल्पना तथा केवल प्रभावशाली विचार से अलग कीजिए।

2(iv). 'उलटा पिरामिड' शैली का संबंध है : [1 अंक]

(A) फ़ीचर लेखन से

(B) आलेख लेखन से

(C) समाचार लेखन से

(D) कथा लेखन से

सही उत्तर: (C) समाचार लेखन से

हल:

अवधारणा:

- उलटा पिरामिड शैली में सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना पहले और कम महत्त्वपूर्ण विवरण बाद में आते हैं।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य संकेत का प्रत्येक विकल्प से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: शैली का क्रम समझना उलटा पिरामिड शैली में समाचार के आरंभ में उसकी सबसे आवश्यक बात दी जाती है। इसके बाद महत्त्व के घटते क्रम में तथ्य, पृष्ठभूमि और अन्य विवरण आते हैं। इससे पाठक को शुरुआती पंक्तियों में ही घटना की मुख्य सूचना मिल जाती है। यह समाचार लेखन की प्रचलित शैली है।

चरण 2: अन्य लेखन रूपों से भेद फ़ीचर में विषय का रोचक और मानवीय विस्तार हो सकता है। आलेख में विषय का विवेचन तथा तर्कपूर्ण विश्लेषण प्रमुख होता है। कथा में घटनाओं और पात्रों के विकास के अनुसार क्रम बनता है। इन रूपों के लिए घटते महत्त्व का यह क्रम अनिवार्य आधार नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष उलटा पिरामिड शैली का संबंध समाचार लेखन से है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: सबसे आवश्यक तथ्य पहले और गौण विवरण बाद में हों तो उसे समाचार की उलटा पिरामिड शैली समझिए।

2(v). विशेष लेखन की भाषा शैली किस तरह की होती है ? [1 अंक]

(A) सामान्य लेखन की तरह

(B) समाचार लेखन की तरह

(C) सामान्य लेखन से अलग

(D) आलंकारिक भाषा का प्रयोग

सही उत्तर: (C) सामान्य लेखन से अलग

हल:

अवधारणा:

- विशेष लेखन में किसी विशिष्ट क्षेत्र की जानकारी और उसकी पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग होता है।
- सही विकल्प चुनते समय प्रश्न के मुख्य संकेत का प्रत्येक विकल्प से मिलान करना आवश्यक है।

चरण 1: विशेष लेखन की भाषा पहचानना विशेष लेखन विज्ञान, अर्थव्यवस्था, खेल अथवा किसी अन्य विशेष विषय की गहरी जानकारी प्रस्तुत करता है। उसकी विषयवस्तु के अनुसार विशिष्ट शब्दावली और व्याख्या की आवश्यकता पड़ती है। इसलिए उसकी भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है, यद्यपि उसे पाठक के लिए स्पष्ट और समझने योग्य रखना चाहिए।

चरण 2: अन्य विकल्पों पर विचार सामान्य लेखन की तरह कहना उसकी विशिष्ट विषयगत प्रकृति की उपेक्षा करता है। समाचार लेखन की तरह कहना भी उसके विस्तृत विश्लेषण और क्षेत्रविशेष की शब्दावली को नहीं बताता। आलंकारिक भाषा का प्रयोग विशेष लेखन की अनिवार्य पहचान नहीं है; उसका उद्देश्य तथ्य और विषय को स्पष्ट करना है।

चरण 3: निष्कर्ष विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: विशेष लेखन के प्रश्न में विषयविशेष की शब्दावली और गहराई पर ध्यान दें; अलंकरण को उसकी पहचान न मानें।

3(a). **वंदनीय तू कर्ण, देखकर तेज तिग्म अति तेरा,**
काँप उठा था आते ही देवत्वपूर्ण मन मेरा।
किन्तु, अभी तो तुझे देख मन और डरा जाता है,
हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।
दीख रहा तू मुझे ज्योति के उज्ज्वल शैल अचल-सा
कोटि-कोटि जन्मों के संचित महापुण्य के फल-सा
त्रिभुवन में जिन अमित योगियों का प्रकाश जगता है
उनके पूँजीभूत रूप-सा तू मुझको लगता है।
खड़े दीखते जगतनियंता पीछे तुझे गगन में
बड़े प्रेम से लिए तुझे ज्योतिर्मय आलिंगन में
दान, धर्म, अगणित व्रत-साधन, योग, यज्ञ, तप तेरे
सब प्रकाश बन खड़े हुए हैं तुझे चतुर्दिक घेरे
मही मग्न हो तुझे अंक में लेकर इठलाती है
मस्तक सूँघ स्वत्व अपना यह कहकर जतलाती है
इसने मेरे अमित मलिन पुत्रों का दुख मेटा है,
सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है। [5 अंक]

3(a)(i). **'हृदय सिमटता हुआ आप ही आप भरा जाता है।' – पंक्ति में 'हृदय सिमटने' का क्या आशय है ?** [1 अंक]

(A) आनंदित होना
(B) संकुचित होना
(C) दुखी होना
(D) प्रायश्चित होना

सही उत्तर: (B) संकुचित होना

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय कवि कहता है कि कर्ण को देखकर उसका मन और डरता जाता है। इसी भाव की अगली अभिव्यक्ति हृदय का सिमटना है। यहाँ हृदय का संकुचित होना भय और गहरे भावावेग का संकेत है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच आनंदित होना प्रसन्नता बताता है, जबकि पंक्ति के ठीक पहले मन के डरने की बात है। दुखी होना सामान्य शोक का अर्थ देता है; यहाँ हृदय की संकुचन जैसी अनुभूति विशेष रूप से व्यक्त हुई है। प्रायश्चित में अपने अपराध का पश्चात्ताप होता है, जिसका उल्लेख नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: संकुचित होना।

त्वरित सुझाव: किसी भावसूचक पद का अर्थ चुनते समय उससे ठीक पहले व्यक्त मनःस्थिति को अवश्य पढ़ें।

3(a)(ii). काव्यांश में 'जगतनियंता' से किसे संबोधित किया गया है ? [1 अंक]

(A) चन्द्रमा को

(B) ब्रह्मा को

(C) कृष्ण को

(D) सूर्य को

सही उत्तर: (D) सूर्य को

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय काव्यांश में कर्ण को सूर्यपुत्र कहा गया है और उसके पीछे गगन में जगतनियंता का प्रेमपूर्ण ज्योतिर्मय आलिंगन दिखाया गया है। गगन, ज्योति और सूर्यपुत्र का संयुक्त संकेत सूर्य की ओर है। यहाँ कर्ण के दिव्य तेज का संबंध उसके पिता सूर्य से स्थापित हुआ है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच चन्द्रमा प्रकाशमान अवश्य है, पर कर्ण के सूर्यपुत्र होने के संकेत से उसका संबंध नहीं है। ब्रह्मा को सामान्यतः सृष्टिकर्ता कह सकते हैं, किंतु केवल जगतनियंता का सामान्य अर्थ लेकर काव्यांश के सूर्य-संबंधी संकेत छोड़ना उचित नहीं है। कृष्ण का संबंध भी इस ज्योतिर्मय पितृ-आलिंगन से नहीं बनता।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: सूर्य को।

त्वरित सुझाव: किसी विशेषण का संदर्भ तय करते समय पूरे काव्यांश में आए संबंधित संकेत जोड़ें; यहाँ सूर्यपुत्र निर्णायक है।

3(a)(iii). दान, धर्म, व्रत तथा योग किस रूप में कर्ण को चारों ओर से सुरक्षित किए हुए है ? [1 अंक]

(A) भक्ति रूप में

(B) प्रकाश रूप में

(C) ऊर्जा रूप में

(D) धर्म रूप में

सही उत्तर: (B) प्रकाश रूप में

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय काव्यांश में दान, धर्म, व्रत-साधन, योग, यज्ञ और तप का उल्लेख करने के तुरंत बाद कहा गया है कि वे सब प्रकाश बनकर कर्ण को चतुर्दिक घेरे खड़े हैं। अतः उसकी साधनाएँ एक उज्ज्वल सुरक्षा-वलय के रूप में दिखाई गई हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच भक्ति रूप में कहना मूल पंक्ति के प्रकाश शब्द को बदल देता है। ऊर्जा भी इस स्थान पर प्रयुक्त शब्द नहीं है। धर्म तो स्वयं उन गुणों में एक है, जिनके सामूहिक प्रकाश में बदलने की बात कही गई है; वह उनके परिणत रूप का नाम नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (B) है: प्रकाश रूप में।

त्वरित सुझाव: जब प्रश्न किसी काव्यचित्र का रूप पूछे, तो मूल पंक्ति में बने उपमान या रूपक को सीधे पहचानें।

3(a)(iv). 'मही' का अर्थ है : [1 अंक]

(A) धरती

(B) आकाश

(C) आग

(D) गोद

सही उत्तर: (A) धरती

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय काव्यांश में मही कर्ण को अपने अंक में लेकर इठलाती है और अपना पुत्र बताती है। यहाँ पृथ्वी का मानवीकरण हुआ है। मही पृथ्वी का ही पर्याय है; इसीलिए धरती कर्ण को अपने असंख्य दुखी पुत्रों का कष्ट मिटाने वाला कह सकती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच आकाश के लिए गगन शब्द काव्यांश में अलग आया है। आग प्रकाश या ताप का द्योतक है, मही का पर्याय नहीं। गोद का अर्थ अंक है; पंक्ति में अंक में लेने वाली सत्ता मही है, इसलिए मही और गोद को एक अर्थ में लेना गलत है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: धरती।

त्वरित सुझाव: शब्दार्थ चुनते समय वाक्य में कर्ता और उसके कार्य को अलग पहचानें; मही कर्ता है और अंक गोद है।

3(a)(v). सूर्यपुत्र यह नहीं, कर्ण मुझ दुखिया का बेटा है — काव्य-पंक्ति में 'मुझ' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? [1 अंक]

(A) कुंती

(B) राधा

(C) पृथ्वी

(D) अधिरथ

सही उत्तर: (C) पृथ्वी

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय अंतिम पंक्तियों से पहले मही का कर्ण को अंक में लेना और मस्तक सूँघकर अपना स्वत्व जताना बताया गया है। इसके बाद इसी मानवीकृत पृथ्वी के कथन में मुझ दुखिया का बेटा आता है। इसलिए मुझ का संबंध पृथ्वी से है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच कुंती कर्ण की जन्मदात्री और राधा उसकी पालन करने वाली माता हैं, किंतु इस काव्यांश में उक्त कथन उनकी ओर से नहीं है। अधिरथ का उल्लेख भी वक्ता के रूप में नहीं है। प्रश्न का उत्तर पौराणिक संबंधों के बजाय यहाँ बोल रही सत्ता से तय होगा।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: पृथ्वी।

त्वरित सुझाव: सर्वनाम का संदर्भ खोजते समय पिछली पंक्ति में देखें कि कौन बोल रहा है या किसका कथन आरंभ हुआ है।

अथवा

3(b). जो नर आत्म-दान से अपना जीवन-घट भरता है
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है।
जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला
वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकाने वाला।।
दिया अस्थि देकर दधीचि ने, शिवि ने अंग कतर कर,
हरिश्चन्द्र ने कफ़न माँगते हुए सत्य पर अड़ कर।
ईसा ने संसार-हेतु शूली पर प्राण गँवा कर
अंतिम मूल्य दिया गाँधी ने तीन गोलियाँ खाकर
हँसकर लिया मरण ओठों पर, जीवन का व्रत पाला,
अमर हुआ सुकरात जगत में पीकर विष का प्याला।
मरकर भी मनसूर नियति की सह पाया ना ठिठोली,
उत्तर में सौ बार चीखकर बोटी-बोटी बोली।
दान जगत का प्रकृत धर्म है, मनुज व्यर्थ डरता है
एक रोज तो हमें स्वयं सब-कुछ देना पड़ता है।
बचते वही, समय पर जो सर्वस्व दान करते हैं
ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं। [5 अंक]

3(b)(i). संसार में अमर पद को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है : [1 अंक]

(A) आत्मदान करना
(B) परोपकार करना
(C) त्याग करना
(D) आत्मोत्सर्ग करना

सही उत्तर: (A) आत्मदान करना

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय काव्यांश के आरंभ में कहा गया है कि जो मनुष्य आत्मदान से अपना जीवन-घट भरता है, वह मृत्यु के मुख में पड़कर भी नहीं मरता। यहाँ अमरत्व का आशय लोकहित के लिए अपने जीवन का समर्पण करके यश और स्मृति में जीवित रहना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच परोपकार और त्याग इस भावना से संबंधित व्यापक गुण हैं, पर आरंभिक पंक्ति में अमरत्व की विशिष्ट शर्त आत्मदान कही गई है। आत्मोत्सर्ग भी निकट अर्थ रखता है, किंतु दिए गए प्रश्न में पाठ के स्पष्ट आत्म-दान पद के अनुरूप विकल्प आत्मदान करना सबसे सटीक है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (A) है: आत्मदान करना।

त्वरित सुझाव: निकट अर्थ वाले विकल्पों में उस शब्द को प्राथमिकता दें जो प्रश्न की निर्णायक पंक्ति में स्पष्ट आया हो।

3(b)(ii). सत्य पर अडिग रहने वाले महापुरुषों में किसका नाम अमर है ? [1 अंक]

(A) राम

(B) कृष्ण

(C) शिवि

(D) हरिश्चन्द्र

सही उत्तर: (D) हरिश्चन्द्र

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय कवि हरिश्चन्द्र का उदाहरण देते हुए उन्हें कफन माँगते हुए भी सत्य पर अडिग बताता है। विपत्ति में भी सत्यधर्म का पालन करने के कारण उनकी कीर्ति अमर है। प्रश्न सत्य पर अडिग रहने की इसी विशिष्ट विशेषता को पहचानने के लिए कहा गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच राम और कृष्ण का इन पंक्तियों में सत्यनिष्ठा के इस प्रसंग में उल्लेख नहीं हुआ है। शिवि का नाम अवश्य है, पर उनका उदाहरण दूसरों की रक्षा के लिए अपने शरीर का अंग देने के संदर्भ में आया है। इसलिए शिवि को चुनना दो अलग उदाहरणों को मिलाना होगा।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (D) है: हरिश्चन्द्र।

त्वरित सुझाव: महापुरुषों की सूची पढ़ते समय हर नाम के साथ जुड़ा कार्य अलग याद रखें; सत्य के साथ हरिश्चन्द्र जुड़े हैं।

3(b)(iii). 'ऋतु का ज्ञान नहीं जिनको, वे देकर भी मरते हैं' — काव्य-पंक्ति में 'ऋतु' शब्द का क्या अर्थ है ? [1 अंक]

(A) मौसम

(B) परम्परा

(C) समय

(D) रीति

सही उत्तर: (C) समय

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय कविता की पिछली पंक्ति कहती है कि वही बचते हैं जो समय पर सर्वस्व दान करते हैं। इसके ठीक बाद ऋतु का ज्ञान न होने की बात आती है। दोनों पंक्तियाँ एक ही विचार समझाती हैं कि उचित अवसर पर किया गया समर्पण सार्थक होता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच मौसम ऋतु का सामान्य अर्थ है, लेकिन यहाँ बात गर्मी या वर्षा जैसे मौसम की नहीं है। परम्परा और रीति प्रचलित आचरण का बोध कराते हैं; पिछली पंक्ति के समय पर पद से उनका संबंध नहीं बनता। इसलिए संदर्भ के अनुसार समय ही उचित अर्थ है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: समय।

त्वरित सुझाव: बहुअर्थी शब्द के लिए केवल शब्दकोश का पहला अर्थ न लें; पिछली पंक्ति में उसका संकेत खोजें।

3(b)(iv). कवि के अनुसार संसार में कौन बच जाता है ? [1 अंक]

(A) शासक

(B) अमीर

(C) दानी

(D) कृपण

सही उत्तर: (C) दानी

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश के शब्दों तथा उनके प्रसंग से अर्थ निश्चित करना आवश्यक है।
- उत्तर चुनते समय मूल पंक्ति के संकेत और दूसरे विकल्पों के अर्थ में अंतर करना चाहिए।

चरण 1: निर्णायक पंक्ति का आशय कवि स्पष्ट कहता है कि वही बचते हैं जो समय पर अपना सर्वस्व दान करते हैं। बचने का अर्थ यहाँ केवल शरीर का सुरक्षित रहना नहीं, बल्कि लोककल्याण के कार्यों के कारण मृत्यु के बाद भी स्मृति और सम्मान में जीवित रहना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच शासक होना या अमीर होना अपने आप में अमर कीर्ति की गारंटी नहीं है। कृपण धन या साधनों को बचाए रखने वाला है, जबकि कविता सब कुछ समर्पित करने का संदेश देती है। इसलिए दानी का विकल्प कविता की अंतिम पंक्तियों और पूर्व उदाहरणों दोनों से समर्थित है।

चरण 3: निष्कर्ष सही उत्तर (C) है: दानी।

त्वरित सुझाव: बचना जैसे शब्द का लाक्षणिक अर्थ पहचानें; इस कविता में आत्मसमर्पण से मिलने वाली अमर कीर्ति अभिप्रेत है।

3(b)(v). काव्यांश में कवि ने महापुरुषों का उल्लेख क्यों किया है ? [1 अंक]

(A) उनका परिचय देने के लिए

(B) उनसे सीख लेने के लिए

(C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

(D) धर्म की वास्तविकता को जानने के लिए

सही उत्तर: (C) त्याग और दान की महिमा जानने के लिए

हल:

अवधारणा:

- कवि के उद्देश्य को उदाहरणों और अंतिम संदेश के साथ जोड़कर समझना आवश्यक है।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें काव्यांश में दधीचि, शिवि, हरिश्चन्द्र, ईसा, गाँधी और सुकरात के त्याग का उल्लेख है। ये उदाहरण केवल जीवन-परिचय नहीं देते, बल्कि बताते हैं कि दूसरों के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले व्यक्ति अमर हो जाते हैं।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें कवि के सभी उदाहरण त्याग और दान की महानता को प्रमाणित करते हैं। अंतिम पंक्तियों में दान को जगत का प्राकृतिक धर्म बताते हुए समय पर सर्वस्व दान करने वालों को अमर कहा गया है। इसलिए (C) इस विशिष्ट केंद्रीय भाव से सीधे मेल खाता है। (A) गलत है, क्योंकि यह केवल परिचय नहीं है। (B) सामान्य प्रेरणा का संकेत देता है, पर त्याग और दान का विषय स्पष्ट नहीं करता। (D) में धर्म का व्यापक अर्थ है, जबकि यहाँ दान और आत्मसमर्पण की महिमा प्रमुख है।

चरण 3: निष्कर्ष त्याग और दान की महिमा जानने के लिए महापुरुषों का उल्लेख किया गया है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रसंग का निर्णायक शब्द रेखांकित करें, फिर उसी अर्थ से सीधे मेल खाने वाला विकल्प चुनें।

4. जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर [5 अंक]

4(i). प्रस्तुत काव्यांश किससे संबंधित है ? [1 अंक]

(A) कवि से
(B) बच्चों से
(C) मनुष्य से
(D) चिड़िया से

सही उत्तर: (B) बच्चों से

हल:

अवधारणा:

- सर्वनाम का संदर्भ पहचानने के लिए उसके साथ किए गए कार्यों को देखें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें काव्यांश में बेचैन पैरों, बेसुध दौड़ने, छतों पर पेंग भरने और डाल जैसे लचीले वेग का चित्र है। ये संकेत पतंग उड़ाते बच्चों के उल्लास और चंचलता को सामने लाते हैं।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें इसलिए सर्वनाम बच्चों के लिए है। (A) कवि स्वयं इन गतिविधियों का वर्णन कर रहा है। (C) मनुष्य अत्यधिक व्यापक है और बालसुलभ चंचलता की विशिष्टता खो देता है। (D) चिड़िया का संकेत नहीं है; छतों पर दौड़ना बच्चों की क्रिया है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रस्तुत काव्यांश बच्चों से संबंधित है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: बेचैन पैर, छतों पर दौड़ना और पेंग भरना साथ दिखाई दें तो पतंग उड़ाते बच्चों का संदर्भ पहचानें।

4(ii). 'कपास' शब्द किस रूप में प्रयुक्त हुआ है ? [1 अंक]

(A) यथार्थ
(B) कल्पना
(C) निश्छलता
(D) कोमलता

सही उत्तर: (D) कोमलता

हल:

अवधारणा:

- काव्य में किसी वस्तु का अर्थ उसके परिचित गुण और प्रसंग के मेल से तय होता है।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें कपास अपने मुलायम स्पर्श के लिए जानी जाती है। बच्चों के साथ कपास लाने का आशय वास्तविक

कपास लेकर जन्म लेना नहीं, बल्कि उनके शरीर और स्वभाव की कोमलता का चित्र प्रस्तुत करना है।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें अतः (D) सर्वाधिक सटीक है। (A) वास्तविक घटना नहीं है। (B) कल्पना कथन की अभिव्यक्ति का साधन हो सकती है, किंतु यहाँ पूछे गए शब्द का आशय नहीं बताती। (C) निश्छलता बालमन का गुण है, पर कपास का प्रमुख संदर्भ उसकी नरमी है।

चरण 3: निष्कर्ष कपास शब्द कोमलता के रूप में प्रयुक्त हुआ है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: कपास का प्रमुख गुण मुलायम होना है; उसी गुण को बच्चों की कोमलता से जोड़कर विकल्प चुनें।

4(iii). 'छतों को नरम बनाते हुए' — पंक्ति का भाव है : [1 अंक]

(A) कल्पना के पीछे भागना

(B) छतों पर दौड़ते रहना

(C) कठिनाइयों को आसान बनाना

(D) कठिनाइयों की परवाह नहीं करना

सही उत्तर: (C) कठिनाइयों को आसान बनाना

हल:

अवधारणा:

- भावार्थ निकालते समय चित्र के भीतर व्यक्त मनोदशा को पहचानें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें पतंग उड़ाते बच्चों का उत्साह और कोमलता इतने प्रबल हैं कि कठोर छतें भी उनके लिए मानो नरम हो जाती हैं। छतों की कठोरता कठिनाइयों का और नरमी सहजता का संकेत है। बच्चे अपनी उमंग से कठिन परिस्थिति को सहज अनुभव में बदल देते हैं।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें इसलिए (C) कठिनाइयों को आसान बनाना उपयुक्त है। (A) कल्पना के पीछे भागना इस रूपक का अर्थ नहीं बताता। (B) छतों पर दौड़ना बाहरी क्रिया मात्र है। (D) कठिनाइयों की परवाह नहीं करना केवल उपेक्षा का भाव देता है; नरम बनाने में कठिनाई को सहज कर देने का सक्रिय प्रभाव व्यक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष पंक्ति का भाव कठिनाइयों को आसान बनाना है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: छत की कठोरता को कठिनाई और नरम बनाने को उसे सहज बनाने से जोड़कर रूपक का अर्थ पहचानें।

4(iv). 'दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने' से क्या अभिप्राय है ? [1 अंक]

(A) दिशाओं को ढोलक की तरह बजाना

(B) दिशाओं में ढोलक के स्वर गूँजना

(C) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना

(D) चारों दिशाओं में बच्चों का भागना

सही उत्तर: (C) चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना

हल:

अवधारणा:

- उपमा में दोनों पक्षों का साझा प्रभाव पहचानकर अभिप्राय स्पष्ट करें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें मृदंग से लयपूर्ण ध्वनि निकलती है। दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने में बच्चों के उत्साह, शोर और किलकारियों से वातावरण के गूँज उठने का श्रव्य बिंब उभरता है।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें इसलिए (C) सही अर्थ देता है। (A) दिशाओं को सचमुच वाद्य मानता है। (B) वास्तविक ढोलक बजने की बात करता है, जिसका उल्लेख नहीं है। (D) केवल दौड़ने की गति बताता है और मृदंग की उपमा में निहित गूँज का अर्थ छोड़ देता है।

चरण 3: निष्कर्ष अभिप्राय चारों तरफ बच्चों की किलकारियों का गूँजना है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: मृदंग की ध्वनि को बच्चों की किलकारियों से जोड़ें; यहाँ मुख्य संकेत चारों ओर गूँजने का है।

4(v). डाल की क्या विशेषता होती है ? [1 अंक]

(A) कठोरता

(B) लचीलापन

(C) हरियाली

(D) मजबूती

सही उत्तर: (B) लचीलापन

हल:

अवधारणा:

- जिस विशेषता का प्रश्न हो, उसके लिए काव्यांश में प्रयुक्त विशेषण देखें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें कवि ने बच्चों के वेग को डाल की तरह लचीला बताया है। डाल मुड़ सकती है और हवा के साथ झूमती है; इसी गुण के कारण उसके साथ बच्चों की चपल गति की तुलना की गई है।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें अतः (B) लचीलापन उचित है। (A) कठोरता यहाँ लचीलेपन के विपरीत है। (C) हरियाली डाल का संभव गुण होते हुए भी गति की तुलना का आधार नहीं है। (D) मजबूती भी इस प्रसंग में उल्लिखित विशेषता नहीं है। प्रश्न का उत्तर सीधे लचीले वेग से मिलता है।

चरण 3: निष्कर्ष डाल की विशेषता लचीलापन है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: डाल की तरह लचीले वेग में लचीले विशेषण को देखें; यही डाल की पूछी गई विशेषता बताता है।

5. लेकिन इस बार मैंने साफ इनकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेंढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गईं उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुँह फुलाए खड़ा रहा। शाम को उन्होंने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुँह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं। पहले वे भी तमतमाई, लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकर मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं, "देख भैया रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इन्द्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे ?" [5 अंक]

5(i). लेखक ने 'मेंढक-मंडली' पर पानी फेंकने से इनकार क्यों कर दिया ? [1 अंक]

(A) मेंढक-मंडली को पसंद नहीं करने के कारण

(B) इसे अंधविश्वास मानने के कारण

(C) पानी के महत्त्व को समझने के कारण

(D) पानी की बरबादी मानने के कारण

सही उत्तर: (B) इसे अंधविश्वास मानने के कारण

हल:

अवधारणा:

- चरित्र के निर्णय का कारण उसके संवाद और सामने वाले के उत्तर से पहचानें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें लेखक मेंढक-मंडली पर बाल्टियों से पानी डालने का विरोध करता है। जीजी उसे समझाते हुए स्पष्ट कहती हैं कि यह सब अंधविश्वास नहीं है। यह सफाई लेखक की उसी धारणा का उत्तर है कि ऐसी क्रिया अंधविश्वास है।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें इसलिए (B) सबसे उपयुक्त है। (A) केवल मंडली के प्रति नापसंदगी बताता है। (C) पानी के महत्त्व का सामान्य कथन है। (D) पानी की बरबादी लेखक की आपत्ति से जुड़ सकती है, पर जीजी के स्पष्टीकरण से यहाँ क्रिया को अंधविश्वास मानना निर्णायक है।

चरण 3: निष्कर्ष लेखक इसे अंधविश्वास मानता था। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: जीजी के यह सब अंधविश्वास नहीं है कथन से लेखक की विपरीत धारणा का सीधा संकेत पकड़ें।

5(ii). जीजी की मदद करने के लिए लेखक आगे क्यों नहीं आया ? [1 अंक]

(A) विचारों में असहमति के कारण

(B) नाराज़गी के कारण

(C) बाल्टी भारी होने के कारण

(D) तार्किक होने के कारण

सही उत्तर: (B) नाराज़गी के कारण

हल:

अवधारणा:

- तत्काल व्यवहार का कारण समझने के लिए भावसूचक शब्दों पर ध्यान दें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें जीजी के बूढ़े पाँव डगमगा रहे हैं और हाथ काँप रहे हैं, फिर भी लेखक अलग मुँह फुलाए खड़ा रहता है। बाद में वह मिठाई हटाता है, मुँह फेरता है और बात नहीं करता। ये सारे व्यवहार उसकी नाराज़गी दिखाते हैं।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें इसलिए (B) तत्काल कारण है। (A) विचारों की असहमति नाराज़गी की पृष्ठभूमि है, पर मदद न करने के समय उसकी रूठी मनःस्थिति प्रमुख है। (C) बाल्टी का भारी होना लेखक की असमर्थता नहीं बताता। (D) तार्किक होना किसी

की शारीरिक सहायता न करने का प्रत्यक्ष कारण नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष नाराज़गी के कारण लेखक जीजी की मदद के लिए आगे नहीं आया। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: मुँह फुलाना, मिठाई हटाना और बात न करना साथ आएँ तो तत्काल कारण रूठना या नाराज़गी पहचानें।

5(iii). डगमगाते पैरों और काँपते हाथों से भी जीजी पानी क्यों फेंकने को तत्पर थी ? [1 अंक]

(A) पानी फेंकना अनिवार्य होने के कारण

(B) लेखक के मना करने के कारण

(C) परम्परा में विश्वास होने के कारण

(D) रूढ़िवादी होने के कारण

सही उत्तर: (C) परम्परा में विश्वास होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- चरित्र की तत्परता को उसके अपने विश्वास से जोड़कर देखें।
- सही विकल्प वही है जो उद्धृत प्रसंग के विशिष्ट आशय को पूर्ण रूप से व्यक्त करे।

चरण 1: प्रसंग से प्रमाण पहचानें जीजी का विश्वास है कि इन्दर सेना को पानी देने से इन्द्र भगवान वर्षा देंगे। वे इसी लोकपरंपरा को आस्था से निभाती हैं। इसलिए शारीरिक कमजोरी के बावजूद पानी ले जाती हैं।

चरण 2: विकल्पों का मिलान करें अतः (C) उपयुक्त है। (A) कोई बाहरी अनिवार्यता या आदेश नहीं बताया गया है। (B) लेखक के मना करने से जीजी का विश्वास पैदा नहीं हुआ। (D) रूढ़िवादी कहना एक व्यापक मूल्यांकन है; प्रश्न में तत्परता का विशिष्ट कारण परंपरा में उनकी आस्था है।

चरण 3: निष्कर्ष परम्परा में विश्वास होने के कारण जीजी पानी फेंकने को तत्पर थीं। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इन्द्र भगवान कैसे देंगे कथन को जीजी की परम्परा में आस्था से जोड़ें।

5(iv). 'मुँह फेरकर बैठ गया' — वाक्य में 'मुँह फेरना' क्या है ? [1 अंक]

(A) मुहावरा

(B) लोकोक्ति

(C) पदबंध

(D) पद

सही उत्तर: (A) मुहावरा

हल:

अवधारणा:

- मुहावरे का अर्थ शब्दों के सीधे अर्थ से अलग, प्रचलित और संदर्भ के अनुकूल होता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या यहाँ लेखक केवल चेहरा दूसरी ओर नहीं करता, बल्कि नाराज़ होकर जीजी से बातचीत और आत्मीय व्यवहार बंद कर देता है। इसलिए 'मुँह फेरना' रूठने अथवा उपेक्षा करने के लाक्षणिक अर्थ में प्रयुक्त है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण लोकोक्ति सामान्य अनुभव पर आधारित पूरी उक्ति होती है; यहाँ वैसी उक्ति नहीं है। पद एक व्याकरणिक इकाई है और पदबंध शब्दों का व्याकरणिक समूह; इनसे यहाँ व्यक्त रूठने का विशिष्ट रूढ़ अर्थ नहीं बताया जाता।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (A) है—मुहावरा।

त्वरित सुझाव: वाक्य में शब्दों का सीधा अर्थ लेने से भाव स्पष्ट न हो तो उनका प्रचलित लाक्षणिक अर्थ जाँचें।

5(v). जीजी लेखक से ज्यादा देर तक गुस्सा क्यों नहीं रह पाई ? [1 अंक]

(A) लेखक के भूखे रहने के कारण

(B) लेखक से काम होने के कारण

(C) लेखक को नासमझ मानने के कारण

(D) लेखक से स्नेह होने के कारण

सही उत्तर: (D) लेखक से स्नेह होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- पात्र के भाव का कारण उसके व्यवहार और दूसरे पात्र के प्रति संबंध से पहचाना जाता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या जीजी पहले नाराज़ होती हैं, पर जल्दी ही लेखक का सिर गोद में रखकर उसे समझाती हैं। उनका यह वात्सल्यपूर्ण व्यवहार दिखाता है कि लेखक के प्रति स्नेह उनके क्षणिक गुस्से से अधिक गहरा है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण भूखा रहने का उल्लेख उनकी चिंता का मुख्य कारण नहीं बनता। उनसे कोई काम लेना भी नहीं है। लेखक को नासमझ मानना उनके समझाने से जोड़ा जा सकता है, पर गुस्सा न टिकने का सबसे सीधा प्रमाण उनका आत्मीय स्नेह है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है—लेखक से स्नेह होने के कारण।

त्वरित सुझाव: सिर गोद में रखने जैसे व्यवहार को पात्र के स्नेह का प्रत्यक्ष संकेत मानकर विकल्प चुनें।

6(i). यशोधर बाबू ने झेंपते हुए खुश होने की अदा किससे सीखी थी ? [1 अंक]

(A) अपनी पत्नी से

(B) किशन दा से

(C) चड्ढा से

(D) अपने पिता से

सही उत्तर: (B) किशन दा से

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू के व्यवहार पर उनके मार्गदर्शक किशन दा का गहरा प्रभाव है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या यशोधर बाबू अनेक अवसरों पर किशन दा की शैली और जीवन-दृष्टि अपनाते हैं। झेंपते हुए अपनी खुशी प्रकट करने की अदा भी उन्होंने उन्हीं से सीखी है; यह उनके व्यक्तित्व में बसे पुराने संस्कारों का संकेत है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण पत्नी और चड्ढा उनके जीवन में उपस्थित पात्र अवश्य हैं, पर इस अदा के प्रेरक नहीं। पिता को भी इस विशिष्ट व्यवहार का स्रोत नहीं बताया गया है। इसलिए सामान्य पारिवारिक प्रभाव के स्थान पर पाठ में उल्लिखित गुरु-समान व्यक्तित्व को पहचानना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) है—किशन दा से।

त्वरित सुझाव: व्यवहार की नकल का प्रश्न हो तो यशोधर बाबू के आदर्श और मार्गदर्शक किशन दा को याद करें।

6(ii). यशोधर बाबू गोल मार्केट छोड़ना क्यों नहीं चाहते थे ? [1 अंक]

(A) बड़ा घर होने के कारण

(B) किशन दा के प्रति विश्वास

(C) क्षेत्र विशेष से प्रेम के कारण

(D) यादें जुड़ी होने के कारण

सही उत्तर: (D) यादें जुड़ी होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- किसी स्थान से लगाव का आधार भौतिक सुविधा के साथ वहाँ बिताए जीवन की स्मृतियाँ भी हो सकती हैं।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या गोल मार्केट यशोधर बाबू के पुराने जीवन और परिचित परिवेश की यादों से जुड़ा है। क्षेत्र बदलने पर उन्हें अपने अतीत से दूरी का अनुभव होता है। बेहतर क्वार्टर मिलने की संभावना के बाद भी वे वहीं बने रहना चाहते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण बड़ा घर उनकी प्राथमिकता नहीं, क्योंकि बेहतर आवास का अवसर वे टालते हैं। किशन दा के प्रति विश्वास उनके व्यक्तित्व से जुड़ा है, पर स्थान न छोड़ने का पूरा कारण नहीं। क्षेत्र विशेष से प्रेम सामान्य कथन है; यादें जुड़ी होना उसका अधिक सटीक आधार है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है—यादें जुड़ी होने के कारण।

त्वरित सुझाव: स्थान से लगाव और उसके कारण में अंतर करें; यहाँ पुराने जीवन की यादें निर्णायक हैं।

6(iii). सिल्वर वैडिंग की पार्टी देना यशोधर बाबू को 'समहाउ इंप्रोपर' क्यों लग रहा था ? [1 अंक]

(A) पुराने ख्याल के होने के कारण

(B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

(C) दिखावे में विश्वास न रखने के कारण

(D) पार्टी में होने वाले खर्च के कारण

सही उत्तर: (B) विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू भारतीय पारिवारिक परंपराओं को महत्त्व देते हैं और नई विदेशी रस्मों को सहजता से नहीं अपनाते।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या विवाह की पच्चीसवीं वर्षगाँठ पर सिल्वर वैडिंग की पार्टी का आयोजन उन्हें अपने समाज की परिचित

प्रथा नहीं लगता। इसीलिए वे उसे विदेशी रीति या 'कस्टम' मानकर असहज होते हैं और 'समहाउ इंप्रोपर' कहते हैं।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण पुराने ख्याल का होना उनका व्यापक स्वभाव है, पर यहाँ प्रश्न विशिष्ट आयोजन की अनुचितता का कारण पूछता है। दिखावे से दूरी और खर्च के प्रति संकोच संभव सामान्य कारण हैं, लेकिन इस प्रसंग का सटीक सांस्कृतिक कारण विदेशी प्रथा मानना है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (B) है—विदेशी 'कस्टम' मानने के कारण।

त्वरित सुझाव: व्यापक स्वभाव वाले विकल्प के बजाय उस आयोजन से जुड़ी विशिष्ट आपत्ति को चुनें।

6(iv). 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता पाठशाला से अधिक महत्त्व खेत तथा ढोर चराने को क्यों देते थे ? [1 अंक]

(A) स्वयं अशिक्षित होने से

(B) खेतों से फ़सल मिलने से

(C) शिक्षा के महत्त्व को नहीं समझने से

(D) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

सही उत्तर: (D) पढ़ने को बेकार का काम समझने से

हल:

अवधारणा:

- पिता की प्राथमिकता तत्काल खेतिहर श्रम है; वे बेटे की पढ़ाई को उपयोगी भविष्य का साधन नहीं मानते।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या लेखक को पाठशाला भेजने की सहमति देते समय भी पिता सुबह खेत में काम करने और छुट्टी के बाद ढोर चराने की शर्त रखते हैं। अधिक खेती का काम होने पर स्कूल से अनुपस्थित रहने को भी कहते हैं। इससे पढ़ाई के प्रति उनका उपेक्षापूर्ण रवैया स्पष्ट होता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण अशिक्षित होना अपने आप में शिक्षा-विरोध का पर्याप्त कारण नहीं है। फसल मिलना खेती का लाभ है, पर प्रश्न पिता की पढ़ाई संबंधी धारणा पूछता है। शिक्षा का महत्त्व न समझना सामान्य कारण है; पढ़ने को बेकार समझना उनके कथन और प्राथमिकता का अधिक प्रत्यक्ष रूप है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है—पढ़ने को बेकार का काम समझने से।

त्वरित सुझाव: पिता की शर्तों में देखें कि पढ़ाई और खेत के काम में वे किसे अनिवार्य मानते हैं।

6(ix). आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी के दौर में व्यापार ही नहीं, उन्नत खेती भी होती थी ? [1 अंक]

(A) गढ़ होने से

(B) बैलगाड़ी मिलने से

(C) कोठार होने से

(D) कुंड होने से

सही उत्तर: (C) कोठार होने से

हल:

अवधारणा:

- अन्न को बड़े स्तर पर सुरक्षित रखने की व्यवस्था कृषि उत्पादन और विकसित भंडारण का प्रमाण होती है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या सिंधु सभ्यता के स्थलों पर मिले कोठार अनाज के संग्रह की सुव्यवस्थित व्यवस्था बताते हैं। पर्याप्त अनाज उगाए बिना ऐसे भंडारों का उपयोग संभव नहीं होता। इसलिए उनसे व्यापार के साथ उन्नत खेती होने का भी संकेत मिलता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण गढ़ सुरक्षा या प्रशासन का संकेत दे सकता है। बैलगाड़ी परिवहन का साधन है और उससे अकेले कृषि की उन्नति निश्चित नहीं होती। कुंड स्नान या जल-संबंधी व्यवस्था का प्रमाण है। इनकी अपेक्षा कोठार का सीधा संबंध कृषि-उत्पाद के संचय से है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (C) है—कोठार होने से।

त्वरित सुझाव: पुरातात्त्विक अवशेष को उसके उपयोग से जोड़ें; अनाज रखने का कोठार खेती का सीधा प्रमाण है।

6(v). पाठशाला में पहुँचने के बाद लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया ? [1 अंक]

(A) पढ़ाई में मन नहीं लगने के कारण

(B) पहचान के लड़के नहीं होने के कारण

(C) साथियों के अगली कक्षा में चले जाने के कारण

(D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

सही उत्तर: (D) अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण

हल:

अवधारणा:

- विद्यालय से पढ़ाई का क्रम टूटने पर अपनी पुरानी कक्षा और सहपाठियों से संबंध बदल जाता है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या लेखक फिर पाँचवीं में बैठता है। उसके पुराने साथी आगे की कक्षा में जा चुके हैं। अब उसे अपने से छोटे और जिन्हें वह कम अक्ल का समझता था, ऐसे बच्चों के साथ बैठना पड़ता है। यह मजबूरी उसे अपनी पिछड़ी हुई स्थिति का बोध कराती है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण पढ़ाई में मन न लगना सही नहीं, क्योंकि वह पढ़ने के लिए संघर्ष करता है। पहचान का कोई लड़का न होना भी पूर्णतः सही नहीं। साथियों का आगे जाना पृष्ठभूमि है, लेकिन मन खट्टा होने का प्रत्यक्ष कारण छोटे बच्चों के साथ बैठने की विवशता है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है—अपने से कम उम्र और अक्ल के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण।

त्वरित सुझाव: घटना की पृष्ठभूमि और उससे उपजी तत्काल भावना को अलग करें; यहाँ बैठने की मजबूरी निर्णायक है।

6(vi). पाठशाला में सहपाठियों द्वारा तंग किए गए लेखक की तुलना किससे की गई है ? [1 अंक]

(A) घायल गिलहरी से

(B) चूहा से

(C) कोयल से

(D) कौआ से

सही उत्तर: (D) कौआ से

हल:

अवधारणा:

- तुलना में लेखक की असुरक्षा और सहपाठियों के सामूहिक उत्पीड़न का भाव समझना आवश्यक है।
- सही विकल्प चुनते समय पाठ या दिए गए प्रसंग के प्रत्यक्ष संकेत को सामान्य अनुमान से अधिक महत्त्व दें।

चरण 1: पाठ के संकेत की व्याख्या सहपाठी लेखक का गमछा और धोती खींचकर उसे अपमानित करते हैं। इस स्थिति की तुलना ऐसे कौए के बच्चे से है, जिसे अन्य कौए चारों ओर से चोंच मारते हैं। लेखक अपने ही विद्यालय में असहाय और चोट खाया हुआ अनुभव करता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का परीक्षण घायल गिलहरी का विकल्प चोट का भाव तो देता है, पर पाठ की वास्तविक तुलना नहीं है। चूहे और कोयल का भी इस घटना में उपमान के रूप में उल्लेख नहीं है। कौआ ही उस प्रसंग के सामूहिक आक्रमण और असहायता को व्यक्त करने वाला उपमान है।

चरण 3: निष्कर्ष अतः सही उत्तर (D) है—कौआ से।

त्वरित सुझाव: तुलना याद करते समय चोंच मारने की क्रिया पर ध्यान दें; यही कौए वाले विकल्प की पहचान है।

6(vii). लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ने के क्या कारण थे ? [1 अंक]

(A) शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार

(B) वसंत की दोस्ती

(C) केवल (a)

(D) (a) और (b) दोनों

सही उत्तर: (D) (a) और (b) दोनों

हल:

अवधारणा:

- पाठशाला में अनुकूल वातावरण मिलने से लेखक का संकोच घटता है और पढ़ाई के प्रति विश्वास बढ़ता है।
- सही विकल्प में शिक्षकों के व्यवहार और सहपाठी की मित्रता, दोनों कारणों का समावेश होना चाहिए।

चरण 1: शिक्षकों की भूमिका पहचानना जूझ पाठ में लेखक अनेक कठिनाइयों के बाद फिर विद्यालय आता है। शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार उसे प्रोत्साहन देता है। उसे अनुभव होता है कि वह पढ़ाई कर सकता है और विद्यालय में उसका स्थान है। इसलिए विकल्प (A) में दिया कारण सही है, पर वह अकेला संपूर्ण उत्तर नहीं है।

चरण 2: मित्रता और विकल्पों की जाँच वसंत की दोस्ती से लेखक का अकेलापन और असहजता घटती है। साथ और सहायता मिलने से विद्यालय उसके लिए आत्मीय बनता है। अतः विकल्प (B) भी एक सही कारण बताता है। विकल्प (C) में केवल पहले कारण को मानने से मित्रता की भूमिका छूट जाती है। दोनों कारणों को एक साथ स्वीकार करने वाला विकल्प (D) पूर्ण है।

चरण 3: निष्कर्ष शिक्षकों का अपनत्व भरा व्यवहार और वसंत की दोस्ती, दोनों से लेखक का पाठशाला में विश्वास बढ़ा। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: दो कारण अलग-अलग सही हों और दोनों का संयुक्त विकल्प दिया हो, तो पाठ के प्रसंग से उनकी संयुक्त भूमिका जाँचिए।

6(viii). नगर नियोजन की अनूठी मिसाल किसे कहा गया है ? [1 अंक]

(A) माया सभ्यता

(B) मुअनजो-दड़ो

(C) महाकुंड

(D) मेसोपोटामिया

सही उत्तर: (B) मुअनजो-दड़ो

हल:

अवधारणा:

- नगर नियोजन का आशय पूरे नगर की सुव्यवस्थित बसावट और सार्वजनिक सुविधाओं की योजना से है।
- पाठ में नगर की समग्र व्यवस्था और उसके किसी एक निर्माण के बीच अंतर समझना आवश्यक है।

चरण 1: पाठ में वर्णित नगर पहचानना अतीत में दबे पाँव में मुअनजो-दड़ो की सुव्यवस्थित बसावट, सड़कों, गलियों, मकानों और जल निकासी की व्यवस्था का वर्णन है। इनका सामंजस्य उन्नत नगर नियोजन को प्रकट करता है। इसलिए नगर नियोजन की अनूठी मिसाल मुअनजो-दड़ो को कहा गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों से अंतर विकल्प (A) की माया सभ्यता इस पाठ में पूछे गए नगर का नाम नहीं है। विकल्प (C) का महाकुंड नगर का एक विशिष्ट सार्वजनिक निर्माण है; वह पूरे नगर की योजना का नाम नहीं हो सकता। विकल्प (D) का मेसोपोटामिया दूसरी प्राचीन सभ्यता का क्षेत्र है। पाठ में उल्लिखित नगर का सटीक नाम विकल्प (B) में है।

चरण 3: निष्कर्ष नगर नियोजन की अनूठी मिसाल मुअनजो-दड़ो को कहा गया है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: नगर की समग्र योजना पूछे जाने पर पूरे नगर का नाम चुनिए; महाकुंड जैसे किसी एक निर्माण को उसका पर्याय न मानिए।

6(x). मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है ? [1 अंक]

(A) मेलुहा

(B) उलेहा

(C) गढ़

(D) शिव

सही उत्तर: (A) मेलुहा

हल:

अवधारणा:

- ऐतिहासिक प्रसंग के प्रश्न में पाठ में उल्लिखित प्राचीन नाम को उसके संदर्भ से पहचानना चाहिए।
- शिलालेख में प्रयुक्त नाम और किसी नगर के भाग या सामान्य शब्द में अंतर रखना आवश्यक है।

चरण 1: प्राचीन नाम की पहचान अतीत में दबे पाँव पाठ के अनुसार मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए मेलुहा शब्द मिलता है। यह नाम उस समय की सभ्यताओं के बीच संबंधों की जानकारी देने वाले संदर्भ में आता है। प्रश्न इसी विशिष्ट ऐतिहासिक नाम को पूछता है।

चरण 2: सभी विकल्पों की जाँच विकल्प (A) का मेलुहा पाठ में उल्लिखित नाम है। विकल्प (B) का उलेहा उससे मिलता-जुलता दिखता है, किंतु सही ऐतिहासिक नाम नहीं है। विकल्प (C) का गढ़ नगर के ऊँचे या सुरक्षित भाग के अर्थ में प्रयुक्त हो सकता है, शिलालेख का पूछा गया नाम नहीं। विकल्प (D) का शिव भी इस प्रसंग में नगर के लिए प्रयुक्त शब्द नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए मेलुहा शब्द का प्रयोग हुआ है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: ऐतिहासिक नामों वाले विकल्पों में केवल ध्वनि-साम्य पर न जाएँ; पाठ में आए नाम की वर्तनी और संदर्भ साथ याद रखें।

7(क). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

स्वाध्याय का आनंद [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में अनुभव, कल्पना और विचार को विषय के अनुरूप आत्मीय भाषा में प्रस्तुत किया जाता है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में एक केंद्रीय भाव रखें और उपयुक्त शीर्षक, सुसंगत अनुच्छेद तथा प्रभावपूर्ण अंत दें।

चरण 1: प्रारूप और दृष्टि तय करना शीर्षक स्वाध्याय का आनंद रहेगा। रचनात्मक लेख के लिए पत्र का पता, संबोधन या हस्ताक्षर आवश्यक नहीं हैं। विषय को व्यक्तिगत अनुभव से खोलना उपयुक्त है, जिससे पाठक स्वाध्याय के आनंद को महसूस कर सके। भाषा सहज और चित्रात्मक हो तथा चर्चा स्वयं पढ़ने से प्राप्त अनुभव पर केंद्रित रहे।

चरण 2: विषयवस्तु की योजना बनाना आरंभ में पुस्तक खोलने के अनुभव का दृश्य रखा जाएगा। मध्य में अपनी गति से पढ़ने, प्रश्न सुलझाने और नए संसार को जानने की खुशी दिखाई जाएगी। अंत में स्वाध्याय से मिलने वाले धैर्य, आत्मविश्वास और स्वतंत्र चिंतन को उजली खिड़की के बिंब से जोड़ा जाएगा। छोटे अनुच्छेद विचारों का क्रम स्पष्ट रखेंगे। उदाहरण विषय से जुड़े होंगे और अनावश्यक विस्तार से बचाकर मूल लेख को लगभग 120 शब्दों में रखा जाएगा।

चरण 3: पूर्ण नमूना लेख स्वाध्याय का आनंद

खिड़की के पास बैठकर पुस्तक खोलते ही लगता है, जैसे किसी नए संसार का द्वार खुल गया हो। स्वाध्याय में न घंटी की जल्दी होती है, न किसी से आगे निकलने की होड़। हम अपनी गति से पढ़ते, रुकते और विचार करते हैं। कठिन प्रश्न स्वयं सुलझ जाए तो जो प्रसन्नता मिलती है, वह किसी पुरस्कार से कम नहीं होती।

कभी कहानी किसी अनजान व्यक्ति का दुख समझाती है, तो कभी विज्ञान की पुस्तक साधारण घटना का रहस्य खोल देती है। धीरे-धीरे पुस्तकें हमारी मित्र बन जाती हैं। स्वाध्याय हमें केवल जानकारी नहीं देता; वह धैर्य, आत्मविश्वास और स्वतंत्र चिंतन भी सिखाता है। प्रतिदिन थोड़ा समय इसके लिए निकालना अपने भीतर एक उजली खिड़की खोलना है। यही इसका सबसे बड़ा आनंद है।

चरण 4: निष्कर्ष स्वाध्याय का आनंद अपनी जिज्ञासा से सीखने, स्वयं समाधान खोजने और स्वतंत्र चिंतन विकसित करने में है। नमूना लेख इसी भाव को अनुभव तथा बिंब के माध्यम से प्रस्तुत करता है।

त्वरित सुझाव: पहले एक अनुभव या दृश्य चुनिए, फिर उससे जुड़ा विचार विकसित कीजिए; शब्दसीमा में रहने के लिए एक ही केंद्रीय भाव को आगे बढ़ाइए।

7(ख). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

अचानक अतिथि-सेवा का अवसर [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित विषय पर रचनात्मक लेख में साधारण घटना को अनुभव, संवेदना और कल्पना से रोचक बनाया जाता है। यहाँ अचानक आए अतिथियों के स्वागत का अवसर केंद्रीय घटना है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में घटना का आरंभ, तैयारी और आत्मीय परिणाम स्पष्ट होने चाहिए। प्रथम पुरुष शैली से कथन स्वाभाविक और प्रभावपूर्ण बनता है।

चरण 1: रूपरेखा और प्रस्तुति शीर्षक के बाद एक छोटी घटना प्रस्तुत करेंगे। अचानक अतिथि आने से हुई घबराहट, घर में उपलब्ध सामग्री से किया गया स्वागत और अतिथियों की प्रसन्नता क्रम से आएँगे। अंत में अनुभव से निकली सीख होगी। घटना में वक्ता की आरंभिक झिझक से बढ़ते आत्मविश्वास का परिवर्तन दिखाएँगे। छोटी बहन की मदद से परिवार के सहयोग का भाव भी उभरेगा। अतिथि के कथन से स्वागत की सफलता सामने आएगी। भाषा सरल, चित्रात्मक तथा आत्मीय रखेंगे; औपचारिक पत्र जैसा पता या संबोधन नहीं जोड़ेंगे।

चरण 2: पूरा रचनात्मक लेख **अचानक अतिथि-सेवा का अवसर**

रविवार की दोपहर मैं पुस्तक पढ़ रहा था कि दरवाजे की घंटी बजी। सामने पिताजी के पुराने मित्र अपने परिवार सहित खड़े थे। माता-पिता बाजार गए हुए थे। क्षण भर मैं घबराया, फिर मुसकराकर उन्हें भीतर बिठाया। पानी देकर मैंने माँ को फोन किया और रसोई सँभाल ली। घर में पोहे, मूँगफली और कुछ फल थे। छोटी बहन ने मेज सजाई, मैंने पोहे बनाए और चाय चढ़ाई। बातचीत में उनकी यात्रा की थकान उतरने लगी। थोड़ी देर बाद माँ लौटीं तो तैयार नाश्ता देखकर प्रसन्न हो गईं। जाते समय अतिथियों ने कहा कि उन्हें अपने घर जैसा लगा। उस दिन समझ आया कि अतिथि-सत्कार का सौंदर्य महँगी वस्तुओं में नहीं, समय पर मिले अपनत्व में है।

चरण 3: निष्कर्ष यह लेख अचानक मिले अतिथि-सत्कार के अवसर को एक सजीव घटना के माध्यम से प्रस्तुत करता है। सीमित साधनों में आत्मीय स्वागत और उससे मिली सीख इसे पूर्णता देते हैं।

त्वरित सुझाव: इस विषय में व्यंजनों की लंबी सूची के बजाय स्वागत की तत्परता और अतिथि के अपनेपन का अनुभव उभारिए।

7(ग). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
जब रास्ते में मेरी चप्पल टूट गई [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में एक सामान्य घटना को कथाकार की दृष्टि, भावनाओं और अनुभवों से जीवंत बनाया जाता है। रास्ते में चप्पल टूटना यहाँ परेशानी के साथ मानवीय सहायता का प्रसंग बन सकता है।
- लगभग 120 शब्दों की सीमा में आरंभ, समस्या, समाधान और अंत की संगति आवश्यक है। छोटी-छोटी क्रियाएँ तथा स्वाभाविक संवाद दृश्य को प्रभावपूर्ण बनाते हैं।

चरण 1: घटना और भाषा की योजना उपयुक्त शीर्षक देकर प्रथम पुरुष में घटना लिखेंगे। जल्दी में बाजार जाते समय चप्पल टूटने का प्रसंग, सड़क पर हुई असुविधा, किसी व्यक्ति से मिली सहायता और उससे प्राप्त अनुभव क्रम से प्रस्तुत करेंगे। आरंभ की हड़बड़ी अंत में राहत और कृतज्ञता में बदल जाएगी। घटना को अनावश्यक मोड़ दिए बिना केवल जरूरी विवरण चुनेंगे। चप्पल टूटने की आवाज, तपती सड़क और सहायता करने वाले की मुसकान जैसे बिंब पाठक को स्थिति का अनुभव कराएँगे। हास्य हल्का रहेगा; सहायता करने वाले की गरिमा बनी रहेगी। मॉडल लेख का मुख्य भाग लगभग 120 शब्दों में रहेगा।

चरण 2: पूरा रचनात्मक लेख **जब रास्ते में मेरी चप्पल टूट गई**

बाजार पहुँचने की जल्दी में मैं तेज चल रहा था। अचानक चप्पल का फीता टूट गया और मेरा कदम लड़खड़ा गया। तपती सड़क पर नंगे पैर चलना कठिन था। चप्पल हाथ में उठाए मैं किनारे खड़ा हो गया। आसपास की दुकानें बंद थीं और घर भी दूर था। तभी चाय बेचने वाले एक बुजुर्ग ने मुझे बुलाया। उन्होंने अपनी डिबिया से एक मजबूत पिन निकाली और फीता जोड़ दिया। चप्पल पहनकर चला तो लगा, बड़ी बाधा दूर हो गई। मैंने पैसे देने चाहे, पर वे हँसकर बोले, मदद की भी कोई कीमत होती है? मैंने धन्यवाद दिया और धीरे-धीरे आगे बढ़ा। रास्ते की वह छोटी दुर्घटना आज भी याद दिलाती है कि अनजान लोगों की उदारता जीवन को कितना सरल बना देती है।

चरण 3: निष्कर्ष लेख में चप्पल टूटने की असुविधा से लेकर अप्रत्याशित सहायता मिलने तक एक पूरी घटना प्रस्तुत है। उसका अंत अनजान व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता और मानवीय उदारता के अनुभव से जुड़ता है।

त्वरित सुझाव: घटना के अंत में सीख को उसी अनुभव से जोड़िए; चप्पल टूटने से असंबद्ध कोई सामान्य उपदेश न जोड़ें।

7(घ). निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
रेल यात्रा में अपरिचित का मिलना [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में साधारण घटना को अनुभव, संवेदना और कल्पनाशील प्रस्तुति से रोचक बनाया जाता है।
- रेल यात्रा में अपरिचित से मिलने की घटना में परिवेश, संक्षिप्त संवाद, मनोभाव और अनुभव से मिली सीख का स्वाभाविक मेल होना चाहिए।

चरण 1: प्रारूप और प्रस्तुति समझें विषय के अनुरूप शीर्षक देकर घटना को प्रथम पुरुष में लिखें। यह रचनात्मक लेख है, इसलिए पत्र की तरह पता और संबोधन आवश्यक नहीं हैं। यात्रा का आरंभ, अपरिचित से परिचय और विदाई का प्रभाव एक क्रम में रखें। लगभग 120 शब्दों के मुख्य लेख में अनावश्यक विवरण तथा अनेक पात्र जोड़ने से बचें।

चरण 2: विषयवस्तु की योजना बनाएँ कथानक में पहले खिड़की के पास बैठा यात्री और सामने बैठा वृद्ध आएँगे। एक छोटी सहायता बातचीत का अवसर बनाएगी। उनके अनुभव से अपनी यात्रा के प्रति दृष्टि बदलेगी। अंत में अपरिचित के प्रति शुरुआती संकोच का आत्मीयता में बदलना उभरेगा। संवाद छोटा और सहज रखें, ताकि घटना उपदेश में न बदल जाए।

चरण 3: पूर्ण रचनात्मक लेख **रेल यात्रा में अपरिचित का मिलना**

रेलगाड़ी धीरे-धीरे स्टेशन छोड़ रही थी। मैं खिड़की से बाहर देख रहा था। सामने बैठे एक वृद्ध ने मुसकराकर पूछा, 'कहाँ तक जाओगे?' मैंने संक्षिप्त उत्तर दिया और चुप हो गया। थोड़ी देर बाद मेरी पानी की बोतल नीचे गिर गई। उन्होंने उसे उठाकर दिया तो बातचीत शुरू हुई। वे अपने गाँव लौट रहे थे। उनकी बातों में खेतों की खुशबू और पुराने दिनों की मिठास थी। उन्होंने अपना भोजन मेरे साथ बाँटा। मुझे लगा, किसी अपने के साथ यात्रा कर रहा हूँ। मेरा स्टेशन आया तो उन्होंने कहा, 'खुश रहना बेटा!' मैं उतर गया, पर उनकी आत्मीयता साथ रही। उस दिन जाना कि कभी-कभी अनजान चेहरे भी जीवन की यादों में स्थायी जगह बना लेते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष इस लेख में रेलयात्रा की एक छोटी घटना के माध्यम से अपरिचय के आत्मीयता में बदलने का अनुभव व्यक्त हुआ है।

त्वरित सुझाव: एक घटना, एक प्रमुख अपरिचित पात्र और एक भावपूर्ण अंत चुनें; इससे लगभग 120 शब्दों में लेख केंद्रित रहेगा।

8(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
क्या किसी नाटक का दृश्य कथानक का हिस्सा होता है, कैसे ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कथानक घटनाओं का क्रमबद्ध संगठन है; दृश्य मंच पर किसी स्थिति अथवा घटना को पात्रों के क्रियाव्यापार और संवाद से मूर्त करता है।
- नाटक का दृश्य कथानक को आगे बढ़ाता है और पात्रों, संघर्ष तथा परिस्थितियों के विकास में भूमिका निभाता है।

चरण 1: दृश्य और कथानक का संबंध समझें दृश्य केवल मंच की सजावट या किसी स्थान का वर्णन नहीं है। उसमें पात्र किसी परिस्थिति का सामना करते हैं, संवाद बोलते हैं और कार्य करते हैं। इन क्रियाओं से कोई नई सूचना, निर्णय या टकराव सामने आता है। इस प्रकार दृश्य नाटक की व्यापक घटनाशृंखला से जुड़ता है। उदाहरण के लिए, किसी पात्र का विरोध प्रकट करना अगले निर्णय का कारण बन सकता है। ऐसे दृश्य से पहले की स्थिति और बाद की स्थिति में संबंध बनता है। दृश्य हटाने पर यदि घटनाक्रम या पात्रों की समझ अधूरी रह जाए, तो उसकी कथानक में उपयोगिता स्पष्ट हो जाती है। उत्तर में इसी कार्यात्मक संबंध पर बल देना चाहिए।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर हाँ, नाटक का दृश्य कथानक का हिस्सा होता है। कथानक घटनाओं का क्रमबद्ध संगठन है और दृश्य उन्हीं घटनाओं को पात्रों के संवाद तथा क्रियाओं द्वारा मंच पर प्रस्तुत करता है। प्रत्येक सार्थक दृश्य किसी स्थिति को स्पष्ट करता है, पात्रों का विकास करता है या संघर्ष को आगे बढ़ाता है। इस प्रकार विभिन्न दृश्य मिलकर नाटक के कथानक को विकसित करते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष दृश्य कथानक की घटनाओं को मंचीय रूप देकर उसकी प्रगति और पात्रों के विकास में योगदान करता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में दृश्य को केवल स्थान न बताएँ; संवाद और क्रिया से कथानक आगे बढ़ने का संबंध अवश्य स्पष्ट करें।

8(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

रेडियो नाटक के लिए कहानी का चुनाव एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, कैसे ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; इसमें दृश्य, वेशभूषा या शारीरिक अभिनय दिखाई नहीं देते।
- रेडियो नाटक की कहानी ऐसी होनी चाहिए जिसे संवाद, स्वर, संगीत और ध्वनि प्रभावों से स्पष्ट तथा रोचक रूप दिया जा सके।

चरण 1: माध्यम की आवश्यकता समझें रेडियो का श्रोता पात्रों को देख नहीं सकता। इसलिए ऐसी कहानी चुननी होती है जिसकी घटनाएँ सुनकर समझी जा सकें और जिसके पात्रों की पहचान आवाजों तथा संवादों से हो सके। केवल दृश्य चमत्कार, मूक अभिनय या बहुत जटिल घटनाक्रम पर निर्भर कहानी का रूपांतरण कठिन होता है। कहानी में तनाव और जिज्ञासा का होना भी आवश्यक है, ताकि श्रोता आगे की घटना सुनना चाहे। पात्रों की बहुत बड़ी संख्या आवाजों की पहचान कठिन कर सकती है। अतः चयन करते समय यह देखना चाहिए कि आवश्यक सूचनाएँ स्वाभाविक बातचीत से सामने आ सकें और ध्वनियाँ वातावरण बना सकें। यह कहानी की मूल संवेदना को प्रभावी बनाने में सहायता करता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रेडियो नाटक में कहानी का चुनाव महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि रेडियो केवल श्रव्य माध्यम है। कहानी ऐसी होनी चाहिए जिसकी घटनाएँ और भाव संवाद, संगीत तथा ध्वनि प्रभावों से स्पष्ट किए जा सकें। सीमित पात्र, सहज घटनाक्रम और प्रभावी संघर्ष श्रोता की रुचि बनाए रखते हैं। अत्यधिक दृश्य विवरण या मूक क्रियाओं पर निर्भर कहानी रेडियो के लिए कम उपयुक्त होती है।

चरण 3: निष्कर्ष उपयुक्त कहानी का चयन ही घटनाओं को श्रव्य रूप में स्पष्ट करने और श्रोता की रुचि बनाए रखने का आधार है।

त्वरित सुझाव: रेडियो की सबसे पहली विशेषता श्रव्यता लिखें, फिर कहानी के चयन को संवाद, ध्वनि और सीमित पात्रों से जोड़ें।

8(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

अच्छे लेखन के लिए सुसंबद्ध होने के साथ-साथ उसका सुसंगत होना क्यों आवश्यक है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- सुसंबद्धता लेखन के वाक्यों और अनुच्छेदों का आपस में जुड़ाव है, जिससे विचारों की श्रृंखला बनी रहती है।
- सुसंगति विचारों की तार्किक अनुकूलता और विषयगत एकता है। केवल वाक्यों को जोड़ देना पर्याप्त नहीं; उनके अर्थों में भी मेल होना चाहिए।

चरण 1: दोनों गुणों का अंतर समझना सुसंबद्ध लेखन में एक वाक्य अगले वाक्य से और एक अनुच्छेद दूसरे से जुड़ा रहता है। किंतु यदि जुड़े हुए कथनों में विरोध हो या कोई बात मूल विषय से भटक जाए, तो पाठक आशय नहीं समझ सकेगा। इसलिए विचारों का क्रमबद्ध जुड़ाव और अर्थ की एकता दोनों आवश्यक हैं। उदाहरण के लिए, पर्यावरण संरक्षण के लेख में प्रदूषण के कारणों के बाद उसके परिणाम और फिर बचाव के उपाय आएँ, तो विचारों का विकास स्वाभाविक रहेगा। बीच में असंबंधित विषय लाना सुसंगति तोड़ेगा। जोड़ने वाले शब्द उपयोगी हैं, पर वे विरोधी या अप्रासंगिक विचारों को अपने आप सार्थक नहीं बना सकते।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर अच्छे लेखन में सुसंबद्धता वाक्यों और अनुच्छेदों को परस्पर जोड़ती है, जबकि सुसंगति विचारों में तार्किक क्रम, विषयगत एकता और अर्थ का मेल बनाए रखती है। केवल जुड़े हुए वाक्य पर्याप्त नहीं, यदि उनमें विरोध हो या वे विषय से

भटकें। दोनों गुणों से लेखन स्पष्ट, सहज और प्रभावपूर्ण बनता है तथा पाठक लेखक का आशय ठीक समझ पाता है।

चरण 3: निष्कर्ष सुसंबद्धता लेखन को जोड़ती है और सुसंगति उस जुड़ाव को अर्थपूर्ण बनाती है; इसलिए अच्छे लेखन में दोनों अनिवार्य हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर लिखते समय वाक्यों के जुड़ाव को सुसंबद्धता और विचारों की तार्किक एकता को सुसंगति से जोड़कर अंतर स्पष्ट कीजिए।

9(क). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

विशेष लेखन के कई क्षेत्र होते हैं। किन्हीं दो क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए उसकी आवश्यकता पर विचार व्यक्त कीजिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- विशेष लेखन में किसी खास क्षेत्र से संबंधित घटनाओं और समस्याओं का गहन, तथ्यपूर्ण तथा व्याख्यात्मक प्रस्तुतीकरण किया जाता है।
- इसके लिए सामान्य समाचार-बोध के साथ संबंधित क्षेत्र की पृष्ठभूमि, शब्दावली और विशेषज्ञ स्रोतों की समझ आवश्यक है।

चरण 1: दो क्षेत्रों और उनकी उपयोगिता की पहचान आर्थिक लेखन में बजट, महँगाई, रोजगार, बैंकिंग और व्यापार जैसे विषय आते हैं। इनकी विशेष शब्दावली और नीतिगत पृष्ठभूमि होती है। विशेषज्ञता के बिना केवल आँकड़े देने से पाठक उनका प्रभाव नहीं समझ पाएगा। विज्ञान लेखन में नई खोजों, तकनीकों और उनके उपयोग की जानकारी दी जाती है। इसमें वैज्ञानिक तथ्यों को समझकर सरल भाषा में रखना आवश्यक है, ताकि कठिन विषय भी साधारण पाठक की समझ में आएँ।

चरण 2: विशेष लेखन की आवश्यकता स्पष्ट करना सामान्य समाचार घटना की तत्काल सूचना दे सकता है, पर किसी जटिल विषय के कारण, पृष्ठभूमि और दूरगामी परिणाम समझाने के लिए विशेष अध्ययन चाहिए। विशेष लेखक विशेषज्ञों से मिली सूचना की जाँच करता है और तकनीकी शब्दों को स्पष्ट करता है। इससे पाठक अधूरी जानकारी या भ्रामक धारणाओं से बचकर विवेकपूर्ण राय बना सकता है। उत्तर में केवल क्षेत्रों की सूची नहीं, उनकी आवश्यकता भी बतानी है।

चरण 3: लगभग 80 शब्दों में उत्तर विशेष लेखन के दो प्रमुख क्षेत्र आर्थिक लेखन और विज्ञान लेखन हैं। आर्थिक लेखन बजट, महँगाई, रोजगार तथा आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करके जनजीवन पर उनका प्रभाव समझाता है। विज्ञान लेखन नई खोजों और तकनीकों की जटिल जानकारी सरल भाषा में पहुँचाता है। इन विषयों की सही व्याख्या के लिए विशिष्ट ज्ञान, तकनीकी शब्दावली और विशेषज्ञ स्रोत आवश्यक हैं। विशेष लेखन सामान्य सूचना से आगे बढ़कर पृष्ठभूमि, कारण तथा परिणाम स्पष्ट करता है और पाठकों को जागरूक, विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सहायता देता है।

चरण 4: निष्कर्ष आर्थिक और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में विशेष लेखन जटिल तथ्यों को विश्वसनीय, सरल और उपयोगी रूप में प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक है।

त्वरित सुझाव: किन्हीं दो क्षेत्रों के नाम लिखकर प्रत्येक का एक ठोस विषय और पाठक के लिए उसकी उपयोगिता अवश्य बताइए।

9(ख). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा क्यों नहीं होता है ? स्पष्ट कीजिए। [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- फीचर तथ्यपरक विषय की रोचक, संवेदनशील और रचनात्मक प्रस्तुति है। इसमें विषय का मानवीय पक्ष तथा लेखक की प्रस्तुति-दृष्टि महत्त्वपूर्ण होते हैं।
- समाचार की उलटा पिरामिड शैली की तरह फीचर के लिए एक अनिवार्य क्रम निर्धारित नहीं होता; उसका संगठन विषय और उद्देश्य

के अनुरूप होता है।

चरण 1: विषय के अनुसार प्रस्तुति का चयन व्यक्ति, स्थान, घटना, समस्या और जीवन-शैली जैसे अलग-अलग विषयों की प्रकृति अलग होती है। इसलिए लेखक कभी किसी दृश्य से, कभी प्रसंग, संवाद अथवा रोचक तथ्य से आरंभ करता है। घटनाओं का क्रम भी आवश्यकतानुसार बदल सकता है। ढाँचे का लचीलापन विषय के आकर्षक प्रस्तुतीकरण में सहायक होता है। फिर भी फीचर बिखरा हुआ लेख नहीं है। आरंभ पाठक का ध्यान खींचता है, मध्य विषय का विस्तार करता है और अंत प्रभाव छोड़ता है। इन अंशों का स्वरूप स्थिर नहीं होता। लेखक कल्पनाशील शैली अपना सकता है, पर तथ्य और प्रामाणिक जानकारी की उपेक्षा नहीं कर सकता।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में आदर्श उत्तर फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा नहीं होता, क्योंकि उसका उद्देश्य तथ्यों को रोचक, संवेदनशील और मानवीय रूप में प्रस्तुत करना है। विषय की प्रकृति, लेखक की दृष्टि तथा पाठकों की रुचि के अनुसार उसकी प्रस्तुति बदलती है। लेखक शुरुआत किसी घटना, दृश्य, संवाद या रोचक प्रसंग से कर सकता है। विवरणों का क्रम भी विषय की आवश्यकता के अनुसार रखा जाता है। इसमें समाचार की तरह उलटा पिरामिड शैली अपनाना अनिवार्य नहीं है। इसलिए तथ्यपरकता बनाए रखते हुए रचनात्मक स्वतंत्रता मिलती है।

चरण 3: निष्कर्ष विषय की विविधता और रचनात्मक प्रस्तुति की स्वतंत्रता के कारण फीचर का कोई एक अनिवार्य ढाँचा नहीं होता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में विषय की प्रकृति, पाठकों की रुचि और रचनात्मक स्वतंत्रता जोड़ें; लचीले ढाँचे का अर्थ तथ्य गढ़ने की छूट नहीं है।

9(ग). निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए :

एंकर-विजुअल, एंकर-बाइट और एंकर-पैकेज से आप क्या समझते हैं ? इनका संबंध जनसंचार के किस माध्यम से जुड़ा है ? [4 अंक]

हल:

अवधारणा:

- टेलीविजन दृश्य और श्रव्य जनसंचार माध्यम है। समाचार में एंकर का कथन, संबंधित दृश्य तथा व्यक्तियों के रिकॉर्ड किए गए कथन मिलकर जानकारी देते हैं।
- विजुअल समाचार से संबंधित दृश्य है; बाइट किसी संबंधित व्यक्ति का छोटा रिकॉर्ड किया गया कथन है; पैकेज संवाददाता की संपादित संपूर्ण समाचार रिपोर्ट है।

चरण 1: तीन प्रस्तुति-रूपों का अंतर एंकर-विजुअल में एंकर समाचार पढ़ता है और संबंधित दृश्य दिखाए जाते हैं। एंकर-बाइट में एंकर द्वारा समाचार की जानकारी देने के साथ संबंधित व्यक्ति का रिकॉर्ड किया गया कथन सुनाया-दिखाया जाता है। एंकर-पैकेज में एंकर समाचार की भूमिका देता है, जिसके बाद संवाददाता की तैयार रिपोर्ट प्रसारित होती है। पैकेज में दृश्य, संवाददाता का पार्श्व स्वर और आवश्यक बाइटें हो सकती हैं। इस तरह तीनों में एंकर की भूमिका बनी रहती है, लेकिन उसके साथ प्रयुक्त सामग्री अलग होती है।

चरण 2: लगभग 80 शब्दों में आदर्श उत्तर एंकर-विजुअल में एंकर समाचार पढ़ता है और उससे संबंधित दृश्य स्क्रीन पर दिखाए जाते हैं। एंकर-बाइट में एंकर समाचार का परिचय देता है तथा संबंधित व्यक्ति का रिकॉर्ड किया हुआ संक्षिप्त कथन प्रसारित होता है। एंकर-पैकेज में एंकर की भूमिका के बाद संवाददाता की तैयार, संपादित रिपोर्ट दिखाई जाती है। इसमें दृश्य, पार्श्व स्वर और आवश्यक बाइटें शामिल होती हैं। ये तीनों टेलीविजन समाचार की प्रस्तुति के रूप हैं, क्योंकि टेलीविजन में सूचना देने के लिए शब्द, ध्वनि और दृश्य का संयुक्त प्रयोग होता है।

चरण 3: निष्कर्ष एंकर-विजुअल, एंकर-बाइट और एंकर-पैकेज का संबंध जनसंचार के टेलीविजन माध्यम से है।

त्वरित सुझाव: विजुअल को दृश्य, बाइट को संबंधित व्यक्ति का कथन और पैकेज को संपादित रिपोर्ट से जोड़कर तीनों का अंतर स्पष्ट करें।

10(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' प्रसंग के आधार पर लिखिए कि रावण की बात सुनकर कुंभकरण क्यों बिलखने लगा था। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग में कुंभकरण का विलाप अपने भाई की अनिवार्य दुर्गति की आशंका से जुड़ा है।
- सीताहरण को जगज्जननी के अपहरण के रूप में समझने से रावण के अपराध की गंभीरता स्पष्ट होती है।

चरण 1: रावण की बात का संदर्भ समझिए रावण ने कुंभकरण को युद्ध और अपने संकट का कारण बताया। कुंभकरण समझ गया कि रावण ने सीता का हरण करके भगवान राम से शत्रुता मोल ली है। यहाँ उसके रोने का कारण युद्ध का साधारण भय नहीं, बल्कि अपने भाई के विनाश की निश्चित आशंका है।

चरण 2: विलाप का कारण स्पष्ट कीजिए कुंभकरण सीता को जगज्जननी के रूप में पहचानता है। ऐसी माता का हरण करके कल्याण की आशा करना उसे असंभव लगता है। भाई के प्रति स्नेह और उसके अनुचित कर्म का बोध एक साथ उसे व्याकुल करते हैं। इसीलिए वह रावण के अहंकार तथा अविवेक से उत्पन्न विपत्ति पर बिलख उठता है। इस प्रसंग से कुंभकरण की विवेकशीलता भी सामने आती है। वह अपने भाई के अपराध को केवल संबंध के कारण उचित नहीं मानता।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर रावण से सीताहरण की बात सुनकर कुंभकरण बिलख उठा। वह जानता था कि सीता साधारण स्त्री नहीं, जगज्जननी हैं। उनका हरण करके रावण ने घोर अपराध किया है और राम से शत्रुता मोल ली है। उसे लगा कि ऐसा अनर्थ करने के बाद रावण का कल्याण संभव नहीं है। अपने भाई के निश्चित विनाश की आशंका ने उसे व्यथित कर दिया।

चरण 4: निष्कर्ष कुंभकरण रावण द्वारा जगज्जननी सीता का हरण किए जाने और उससे होने वाले उसके विनाश की आशंका के कारण बिलखने लगा।

त्वरित सुझाव: उत्तर में सीताहरण, जगज्जननी और रावण के अनिष्ट की आशंका को कारण-क्रम में जोड़िए।

10(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए कि बादलों की रणभेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में किस प्रकार की चेतना उभरती है।

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बादल का गर्जन प्रकृति में नवजीवन जगाने वाला क्रांतिकारी आह्वान है।
- सोए हुए अंकुर नई आशा और विकास की संभावना के प्रतीक हैं।

चरण 1: अंकुरों की स्थिति समझिए बीजों के भीतर अंकुर सुप्त अवस्था में पड़े हैं। बादलों का गर्जन और वर्षा का आश्वासन उन्हें नई सक्रियता का अनुभव कराते हैं। कवि बादल की आवाज को रणभेरी कहकर उसे परिवर्तन और संघर्ष का उत्साह जगाने वाली पुकार बना देता है।

चरण 2: जागरण का भाव स्पष्ट कीजिए रणभेरी सुनकर अंकुर सिर ऊँचा करके धरती के भीतर से बाहर आने को उत्सुक होते हैं। वे बार-बार बादल की ओर देखते हैं। उनमें जीवन, विकास और आगे बढ़ने की आशा जागती है। कविता के व्यापक आशय में यह शोषित जन की जागृति और परिवर्तन की संभावना का संकेत भी है। यहाँ अंकुरों का जागना केवल प्राकृतिक घटना नहीं रहता। धरती के भीतर छिपी जीवनशक्ति अनुकूल अवसर पाकर बाहर आना चाहती है। इसीलिए चित्र में प्रतीक्षा के साथ साहस और गति का भाव भी है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बादलों की रणभेरी सुनकर धरती में सोए अंकुरों में नवजीवन और उत्साह की चेतना जाग उठती है। वे सिर ऊँचा करके बाहर आने तथा बढ़ने को व्याकुल होते हैं। आशा से भरकर वे बार-बार बादल की ओर देखते हैं। बादल का गर्जन उन्हें संघर्ष और विकास की प्रेरणा देता है। यह दबे हुए जीवन में परिवर्तन की आकांक्षा का जागरण है।

चरण 4: निष्कर्ष बादलों की रणभेरी अंकुरों में नवजीवन, उत्साह, विकास और परिवर्तन की चेतना जगाती है।

त्वरित सुझाव: अंकुरों की सिर उठाने और बादल को देखने की क्रियाओं को जागी हुई आशा से जोड़िए।

10(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
'उषा' कविता के संदर्भ में लिखिए कि उषा का जादू टूटने से आप क्या समझते हैं। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- उषा में बदलते आकाश के रंग कवि को जादुई सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।
- सूर्योदय होने पर उषाकालीन रंगों का विशेष आकर्षण समाप्त होने को जादू टूटना कहा गया है।

चरण 1: जादू का अर्थ समझिए कविता में प्रातःकालीन आकाश अनेक बदलते रंगों और बिंबों के माध्यम से सामने आता है। नीला आकाश, शंख, राख से लीपा चौका और केसर के संकेत उषा के सौंदर्य को मूर्त बनाते हैं। ये परिवर्तन इतने आकर्षक हैं कि कवि उन्हें जादू जैसा अनुभव करता है।

चरण 2: जादू टूटने का क्षण पहचानिए सूर्य के उदित होते ही पहले के कोमल और विविध रंग दिन के स्पष्ट प्रकाश में बदल जाते हैं। उषा के सौंदर्य में डूबे दर्शक को अब सामान्य दिन का बोध होने लगता है। जादू टूटने का अर्थ प्रकृति का नष्ट होना नहीं, उषाकाल के सम्मोहक दृश्य का समाप्त हो जाना है। यहाँ समय का परिवर्तन ही दृश्य के परिवर्तन का कारण है। कवि क्षणिक उषाकालीन सौंदर्य से दिन के सामान्य उजाले की ओर ध्यान ले जाता है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर उषा का जादू टूटने का अर्थ सूर्योदय के साथ उसके सम्मोहक सौंदर्य का समाप्त हो जाना है। सूरज निकलने से पहले आकाश में रंगों का अद्भुत परिवर्तन होता है। नीले, सफेद और लाल रंग मिलकर मन को आकर्षित करते हैं। सूर्य निकलते ही दिन का स्पष्ट प्रकाश फैल जाता है और उषा के वे विशेष रंग तथा मोहक दृश्य लुप्त हो जाते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष सूर्योदय के साथ उषा के रंगों और सम्मोहन का मिट जाना ही उषा का जादू टूटना है।

त्वरित सुझाव: जादू को चमत्कार न बताइए; उसे उषा के बदलते रंगों और सूर्योदय से स्पष्ट कीजिए।

11(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :
भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- भक्तिन के व्यक्तित्व की दृढ़ता उसके खानपान और व्यवहार में दिखाई देती है।
- साथ रहने से महादेवी के भोजन और भाषा पर भक्तिन की ग्रामीण संस्कृति का प्रभाव पड़ता है।

चरण 1: प्रभाव की दिशा पहचानिए भक्तिन महादेवी के साथ रहते हुए भी अपना देहाती स्वभाव आसानी से नहीं छोड़ती। उलटे वह अपनी रुचियों और आदतों से महादेवी को प्रभावित करती है। प्रश्न का आशय महादेवी के गाँव में बसने से नहीं, उनके दैनिक जीवन में ग्रामीण संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से है।

चरण 2: खानपान और भाषा के उदाहरण दीजिए भक्तिन के कारण महादेवी के भोजन में देहाती व्यंजनों का स्थान बढ़ गया। मक्के का दलिया और बाजरे के तिल वाले पुए जैसे व्यंजन उन्हें मिलने लगे। भक्तिन की बोलचाल के संपर्क से वे देहाती भाषा और कहावतें भी समझने लगीं। भोजन और भाषा के ये उदाहरण परिवर्तन को ठोस रूप में स्पष्ट करते हैं। इससे दोनों के आत्मीय संबंध और भक्तिन के व्यक्तित्व की दृढ़ता भी प्रकट होती है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर भक्तिन ने अपने रहन-सहन को बदलने के बजाय महादेवी के जीवन पर देहाती संस्कारों की छाप डाल दी। उसके कारण महादेवी के भोजन में मक्के का दलिया, बाजरे के तिल वाले पुए जैसे ग्रामीण व्यंजन शामिल हो गए। वे देहाती भाषा समझने और गाँव की कहावतें सीखने लगीं। इस प्रकार उनके खानपान तथा बोलचाल में ग्रामीण जीवन का प्रभाव बढ़ गया।

चरण 4: निष्कर्ष भक्तिन के प्रभाव से महादेवी के खानपान और भाषा में ग्रामीण संस्कृति का समावेश बढ़ गया।

त्वरित सुझाव: देहाती होने को केवल भोजन तक सीमित न रखिए; भाषा और कहावतों का उदाहरण भी दीजिए।

11(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

'बाज़ार दर्शन' पाठ के अनुसार बाज़ार को सार्थकता कैसे लोग प्रदान करते हैं ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बाज़ार की सार्थकता ग्राहक की स्पष्ट आवश्यकता और विवेकपूर्ण खरीदारी से जुड़ी है।
- लेखक भगत जी के व्यवहार के माध्यम से संतोष और सीमित आवश्यकता का महत्त्व बताते हैं।

चरण 1: पाठ का प्रसंग समझिए लेखक के अनुसार बाज़ार का आकर्षण मनुष्य में अनावश्यक वस्तुओं की चाह पैदा कर सकता है। ऐसी खरीदारी से ग्राहक का अभावबोध बढ़ता है। इसके विपरीत, अपनी जरूरत पहचानने वाला व्यक्ति वस्तुओं की उपयोगिता पर ध्यान देता है। वह प्रदर्शन, लालच या अधिक धन के कारण खरीदारी नहीं करता। भगत जी का संयम इसी दृष्टि का उदाहरण है। इस प्रश्न में सार्थकता का अर्थ केवल दुकानदार की बिक्री बढ़ना नहीं है। बाज़ार का उचित उद्देश्य जरूरत पूरी करना है। जब ग्राहक का मन भरा होता है, तब वह आकर्षक वस्तुओं को देखकर भी अपनी आवश्यकता नहीं भूलता। इसलिए उत्तर में मन के संतोष और खरीदारी के विवेक को साथ रखना चाहिए।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर बाज़ार को सार्थकता वे लोग देते हैं जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं को पहचानकर खरीदारी करते हैं। वे बाज़ार के आकर्षण में फँसकर अनावश्यक वस्तुएँ नहीं खरीदते। भगत जी की तरह उनका मन संतोष से भरा होता है। ऐसे संयमी और विवेकशील ग्राहक बाज़ार का लाभ उठाते हैं तथा उसे जरूरत की वस्तुओं के आदान-प्रदान का उपयोगी स्थान बनाए रखते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष विवेकशील, संतोषी और अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी करने वाले लोग बाज़ार को सार्थकता प्रदान करते हैं।

त्वरित सुझाव: उत्तर में आवश्यकता की पहचान, संयम और भगत जी के उदाहरण को जोड़ें; केवल धन होने को खरीदारी का आधार न बताएँ।

11(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :

पहलवान की ढोलक मृत गाँव में संजीवनी शक्ति का संचार किस प्रकार करती थी ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- ढोलक की ध्वनि महामारी से भयभीत लोगों में साहस और जीने की इच्छा जगाती है।
- यह संजीवनी का रूपक है; ध्वनि रोग का इलाज नहीं, मनोबल का सहारा बनती है।

चरण 1: कथा की परिस्थिति समझिए महामारी और मृत्यु ने गाँव को भय तथा निराशा से भर दिया था। रात का सन्नाटा लोगों की असहायता और बढ़ा देता था। ऐसे समय पहलवान की ढोलक की परिचित, उत्साहपूर्ण ध्वनि उन्हें अकेलेपन से उबारती थी। जिस ताल ने पहलवान को संघर्ष की प्रेरणा दी थी, वही अब गाँववालों को संकट सहने का मानसिक बल देती थी। कथा में ढोलक कला और जिजीविषा के संबंध को भी प्रकट करती है। बीमारी के सामने असहाय लोग उसकी आवाज में संघर्ष का संदेश पाते हैं। संजीवनी कहने का आशय इसी भावनात्मक प्रभाव से है। उत्तर में गाँव के मृतप्राय वातावरण और ढोलक से जागते जीवनबोध का संबंध स्पष्ट करना चाहिए, जिससे रूपक का अर्थ पूरा हो सके।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर महामारी से पीड़ित गाँव में मृत्यु का भय और निराशा छाई रहती थी। रात के सन्नाटे में पहलवान की ढोलक की गूँज लोगों को साहस और सांत्वना देती थी। उसकी लय उन्हें विपत्ति से लड़ने और जीते रहने की प्रेरणा देती थी। इस प्रकार ढोलक भयभीत ग्रामीणों में उत्साह, आशा और जीवन के प्रति विश्वास जगाकर संजीवनी शक्ति का संचार करती थी।

चरण 3: निष्कर्ष ढोलक की ध्वनि निराश ग्रामीणों में संघर्ष का साहस और जीने की आशा जगाती थी।

त्वरित सुझाव: संजीवनी को मानसिक साहस और जीवन की आशा से समझाएँ; ढोलक से महामारी ठीक होने की बात न लिखें।

12(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए कि कविता की उड़ान चिड़िया क्यों नहीं जानती। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- चिड़िया की उड़ान भौतिक आकाश तक सीमित है।
- कविता कल्पना और भावों के सहारे स्थान तथा समय की सीमाएँ पार करती है।

चरण 1: तुलना का आशय समझिए कवि उड़ान का प्रयोग कविता की रचनात्मक स्वतंत्रता के लिए करते हैं। चिड़िया अपने पंखों और शारीरिक सामर्थ्य के अनुसार उड़ती है; कविता मनुष्य की कल्पना, अनुभूति और संवेदना को व्यक्त करती है। इसलिए चिड़िया की वास्तविक उड़ान कविता की असीम संभावनाओं को पूरी तरह नहीं समझा सकती। यहाँ दोनों की उड़ान का अंतर बताना आवश्यक है। इस तुलना में कल्पना की स्वतंत्रता कविता की मुख्य विशेषता है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर चिड़िया की उड़ान पंखों की क्षमता और भौतिक आकाश तक सीमित होती है। कविता की उड़ान कल्पना, भाव और विचारों की असीम दुनिया में होती है। वह देश और समय की सीमाएँ पार करती है; इसलिए चिड़िया कविता की उड़ान नहीं जानती।

चरण 3: निष्कर्ष कविता की कल्पनात्मक उड़ान असीम है, जबकि चिड़िया की उड़ान भौतिक सीमाओं में बँधी है।

त्वरित सुझाव: उड़ान शब्द का दोनों जगह एक अर्थ न लें; चिड़िया की शारीरिक और कविता की कल्पनात्मक उड़ान का अंतर स्पष्ट करें।

12(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'एक गीत' कविता के संदर्भ में लिखिए कि चिड़िया के परों में चंचलता भरने के क्या कारण हो सकते हैं। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- संध्या का निकट आना चिड़िया को अपने नीड़ की ओर लौटने के लिए प्रेरित करता है।
- प्रतीक्षारत बच्चों का स्मरण उसके पंखों में गति और उत्साह भर देता है।

चरण 1: कविता का प्रसंग समझिए दिन ढलने पर चिड़िया को ध्यान आता है कि उसके बच्चे घोंसले में उसकी राह देख रहे होंगे। बच्चों का स्नेह और उनकी आशापूर्ण प्रतीक्षा उसे शीघ्र लौटने को प्रेरित करते हैं। चंचलता यहाँ प्रसन्न उत्सुकता और तेज गति की सूचक है। इसका कारण केवल शाम होना नहीं, संतान से मिलने का भावनात्मक आकर्षण भी है। यह चंचलता परिवार से मिलन की सहज खुशी से जुड़ी है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर दिन ढलने पर चिड़िया को घोंसले में प्रतीक्षा करते अपने बच्चों की याद आती है। बच्चे उससे मिलने और भोजन पाने को उत्सुक होंगे। उनके प्रति ममता तथा शीघ्र घर पहुँचकर उनसे मिलने की इच्छा चिड़िया के परों में चंचलता भर देती है।

चरण 3: निष्कर्ष बच्चों का स्मरण, उनकी प्रतीक्षा और मातृस्नेह चिड़िया की उड़ान को उत्सुक तथा तेज बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: दिन ढलने की परिस्थिति के साथ बच्चों की प्रतीक्षा और ममता अवश्य जोड़ें; इन्हीं से पंखों की गति का भाव स्पष्ट होता है।

12(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

शारीरिक चुनौती को झेलते व्यक्ति से कैमरे पर सवाल पूछना मीडियाकर्मियों की किस कमी को दर्शाता है ? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पीड़ा को समझने के स्थान पर उसका सार्वजनिक प्रदर्शन करना संवेदनहीनता है।
- कविता करुणा के दिखावे और दर्शकों के मनोरंजन के लिए दुःख के उपयोग की आलोचना करती है।

चरण 1: प्रश्नों के पीछे का दृष्टिकोण समझिए साक्षात्कार लेने वाले व्यक्ति की शारीरिक चुनौती को सनसनी और करुण दृश्य बनाने का साधन मानते हैं। वे ऐसे प्रश्न पूछते हैं जो उसकी पीड़ा कुरेदें और कैमरे पर भावुक प्रतिक्रिया उत्पन्न करें। इससे उसकी गरिमा और मन:स्थिति की उपेक्षा होती है। आलोचना प्रश्न पूछने मात्र की नहीं, पीड़ा का प्रदर्शन करके कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने की मानसिकता की है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर शारीरिक चुनौती झेलते व्यक्ति से कैमरे पर पीड़ा कुरेदने वाले सवाल पूछना मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता दर्शाता है। वे उसकी गरिमा और भावनाओं की परवाह नहीं करते। उसकी विवशता को करुण दृश्य बनाकर दर्शकों की रुचि तथा कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ाना चाहते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष यह व्यवहार मानवीय संवेदना, सहानुभूति और व्यक्ति की गरिमा के प्रति सम्मान की कमी दिखाता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर को पीड़ा कुरेदने, कैमरे पर प्रदर्शन और गरिमा की उपेक्षा से जोड़ें; केवल जिज्ञासा कहकर न छोड़ें।

13(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

"भक्तिन की समृद्धि कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी" — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- भक्तिन की आर्थिक समृद्धि और जीवन की अस्थिरता के बीच संबंध समझना।
- उत्तर में पाठ के प्रसंग से आशय स्पष्ट करना चाहिए और संक्षिप्त मॉडल उत्तर लगभग 40 शब्दों में रखना चाहिए।

चरण 1: कथन का प्रसंग समझिए भक्तिन परिश्रमी और स्वाभिमानी स्त्री थी। पति के साथ रहते हुए उसने खेती-बाड़ी और गृहस्थी सँभालकर अपने परिवार को संपन्न बनाया था। अत: यहाँ समृद्धि वास्तविक आर्थिक सुख-सुविधा और व्यवस्थित गृहस्थ जीवन का संकेत है। कपाल की कुंचित रेखाएँ भाग्य का प्रतीक हैं; कथन को केवल चेहरे की झुर्रियों का वर्णन नहीं मानना चाहिए।

चरण 2: आशय का संक्षिप्त उत्तर भक्तिन ने परिश्रम से समृद्ध गृहस्थी बनाई, पर दुर्भाग्य ने उसे स्थायी सुख नहीं भोगने दिया। पति तथा बड़े दामाद की मृत्यु और पारिवारिक षड्यंत्रों ने उसका सुख छीन लिया। इस प्रकार उसकी संपन्नता टिक न सकी और जीवन संघर्षमय हो गया।

चरण 3: निष्कर्ष यह कथन बताता है कि परिश्रम से अर्जित संपन्नता भी भक्तिन के जीवन में स्थायी सुख नहीं बन सकी।

त्वरित सुझाव: कपाल की रेखाओं को भाग्य से जोड़कर उत्तर दें और भक्तिन की विपत्तियों से उसका संबंध स्पष्ट करें।

13(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'काले मेघा पानी दे' पाठ में आई पंक्ति "कैसी निर्मम बर्बादी है पानी की" — का आशय स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- इंदर सेना की वर्षा-संबंधी लोकपरंपरा और लेखक की तर्कशील प्रतिक्रिया का प्रसंग।
- उत्तर में पाठ के प्रसंग से आशय स्पष्ट करना चाहिए और संक्षिप्त मॉडल उत्तर लगभग 40 शब्दों में रखना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग और दृष्टिकोण पहचानिए सूखे के समय पानी का अभाव था। इंदर सेना के लड़के वर्षा की कामना करते हुए घर-घर जाते और लोग उन पर बाल्टियाँ भरकर पानी उड़ेलते थे। लेखक को इस व्यवहार में विरोधाभास दिखाई देता था। जिस जल की इतनी कमी है, उसी को वर्षा के नाम पर बहाना उसे व्यर्थ और निर्दयतापूर्ण लगता था। यह तत्कालीन प्रतिक्रिया है; इसे जीजी की आस्था के समर्थन में कही गई बात नहीं समझना चाहिए।

चरण 2: आशय का संक्षिप्त उत्तर सूखे के कारण लोग पानी के लिए तरस रहे थे। ऐसे में वर्षा की कामना से इंदर सेना के लड़कों पर बाल्टियाँ भर पानी फेंकना लेखक को अनुचित लगता था। दुर्लभ जल का इस प्रकार बहाया जाना ही उसकी दृष्टि में निर्मम बर्बादी थी।

चरण 3: निष्कर्ष यह पंक्ति जल-संकट के बीच इंदर सेना पर पानी उड़ेलने के प्रति लेखक की असहमति व्यक्त करती है।

त्वरित सुझाव: पहले सूखे की परिस्थिति, फिर पानी उड़ेलने की प्रथा और अंत में लेखक की आपत्ति जोड़कर आशय लिखें।

13(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :

'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक ने शिरीष को पलाश से श्रेष्ठ किस आधार पर कहा है। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- शिरीष के दीर्घकालीन पुष्पित रहने की विशेषता के आधार पर पाठ में की गई तुलना।
- उत्तर में पाठ के प्रसंग से आशय स्पष्ट करना चाहिए और संक्षिप्त मॉडल उत्तर लगभग 40 शब्दों में रखना चाहिए।

चरण 1: श्रेष्ठता का आधार पहचानिए लेखक पलाश के फूलों की सुंदरता को पूरी तरह नकारता नहीं है। तुलना का निर्णायक आधार फूलों का अधिक समय तक बने रहना है। पलाश थोड़े समय के लिए खिलकर चुक जाता है, जबकि शिरीष लंबे समय तक पुष्पित रहकर प्रतिकूल ऋतु में भी अपना सौंदर्य बनाए रखता है। इसलिए केवल रंग या आकार को श्रेष्ठता का कारण बताना पाठ के आशय को बदल देगा।

चरण 2: आधार सहित संक्षिप्त उत्तर पलाश केवल पंद्रह-बीस दिन फूलता है, जबकि शिरीष वसंत से लेकर भादों तक पुष्पित रहता है। भीषण गरमी और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी वह फूलता रहता है। लंबे समय तक सौंदर्य बनाए रखने और कठिनाइयों में अविचल रहने के कारण लेखक ने उसे श्रेष्ठ माना है।

चरण 3: निष्कर्ष शिरीष की श्रेष्ठता उसके लंबे पुष्पकाल और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी खिलते रहने में है।

त्वरित सुझाव: तुलना में पलाश का छोटा पुष्पकाल और शिरीष का लंबा पुष्पकाल साथ लिखें; केवल फूलों का रंग न बताएँ।